राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 13 जुलाई 2023 वर्ष–6,अंक–169 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा के प्लान से डरा विपक्षी महागठबंधन, अब छोटे दलों को भी भेजा बुलावा; 24 हुई पार्टियां

कांग्रेस अध्यक्ष ने शीर्ष विपक्षी दल के नेताओं को संबोधित एक पत्र में उन्हें नीतीश कुमार द्वारा बुलाई गई 23 जून को पटना में आयोजित विपक्षी बैठक में उनकी भागीदारी के बारे में याद दिलाया है।

नई दिल्ली। विपक्षी एकता की बैठक के बीच भारतीय जनता पार्टी भी अपना कुनबा बढ़ा रही है। इसके कारण से अब विपक्षी दलों को अपनी रणनीति बदलनी पड़ी है। कांग्रेस ने अब छोटे दलों को भी बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। 17-18 जुलाई को कांग्रेस शासित राज्य कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी एकता बैठक दूसरी बैठक में अब कम से कम 24 राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, आठ नई पार्टियों ने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी के खिलाफ एकजुट मोर्चा पेश करने के विपक्षी दलों के प्रयासों को अपना समर्थन दिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने यह जानकारी दी है। सूत्रों के मुताबिक, मरूमलारची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके), कोंगु देसा मक्कल काची (केडीएमके), विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके), रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी), ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल), केरल कांग्रेस (जोसेफ) और केरल कांग्रेस (मणि) उन नए राजनीतिक दलों में से हैं जो बैठक में शामिल होंगे। उन्होंने यह भी कहा है, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी भी विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होंगी। गौरतलब है कि केडीएमके और एमडीएमके पहले 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान बीजेपी के सहयोगी थे। इस बीच, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने शीर्ष विपक्षी नेताओं को अगली एकता बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने शीर्ष विपक्षी दल के नेताओं को संबोधित एक पत्र में उन्हें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बुलाई गई 23 जून को पटना में आयोजित विपक्षी बैठक में उनकी भागीदारी के बारे में याद दिलाया है। खड़गे ने अपने निमंत्रण पत्र में कहा, बैठक एक बड़ी सफलता थी क्योंकि हम हमारी लोकतांत्रिक राजनीति को खतरे में डालने वाले विभिन्न

महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने में सक्षम थे। साथ ही अगला लोकसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ने पर सर्वसम्मति से सहमत हुए। कांग्रेस अध्यक्ष ने नेताओं को आगे याद दिलाया कि हम जुलाई में फिर से मिलने पर सहमत हुए हैं। पत्र में आगे कहा गया है, मेरा मानना है कि इन चर्चाओं को जारी रखना और हमने जो गति बनाई है, उसे आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है। हमें उन चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है, जिनका सामना हमारा देश कर रहा है। खड़गे ने आगे कहा है, इसके अलावा मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि 17 जुलाई को शाम 6.00 बजे बेंगलुरु में रात्रिभोज के बाद होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए आप जरूर पधारें। बैठक 18 जुलाई 2023 को सुबह 11.00 बजे से फिर जारी रहेगी। बेंगलुरु में आपसे मिलने के लिए उत्सुक हूं। इससे पहले, राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने भी गुरुवार को कहा था कि वह विपक्षी दलों की बैठक के लिए बेंगलुरु जाएंगे।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा विपक्षी एकता की पहली बैठक 23 जून को पटना में हुई थी, जिसमें 15 से अधिक दलों ने भाग लिया था। इस बैठक में शामिल होने वालों में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राकांपा प्रमुख शरद पवार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन समेत कई नेता शामिल थे।

जनता द्वारा निर्मित भारत नेपाल संबंध सदैव अटूट रहेंगें-विमलेन्द्र निधि

उदयपुर। नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री विमलेन्द्र निधि ने कहा है कि भारत नेपाल संबध के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध जनता द्वारा निर्मित है जो कभी भी टूट नहीं सकते है। श्री विमलेन्द्र निधि मंगलवार को उदयपुर में भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के कुंभा सभागार में भारत नेपाल के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों पर आयोजित संगोष्ठि को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल अनेक दृष्टियों से समानताऐं रखता है भारत के विकास के साथ नेपाल का विकास भी जुडा हुआ है। भारत जहां लोकतंत्र में विश्वास रखता है, जहां प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्था है नेपाल में भी राजनीतिक दृष्टि से वही व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में नेपाल के नेताओं और जनता का भी अमूल्य योगदान रहा है जिसको कभी भूलाया नहीं जा सकता वही भारत ने भी नेपाल के लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपना पूरा योगदान किया है। व्यापक दृष्टि से देखें तो भारत एवं नेपाल का राजनीतिक दर्शन एक समान है। भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक मान्यताऐं समानता लिए हुए है। उन्होने अपने उद्बोधन में नेपाल और मेवाड़ के संबंधों को भी रेखांकित किया है इस संबंध में उन्होंनें थारू समूदाय का उल्लेख किया है, जो राजस्थान के थार से वंहा गए थे। उन्होनें कहा कि किसी भी देश के समग्र विकास में वहां के विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विश्वविद्यालय ऐसे ठोस उपकरण होते है जो क्रांति और विकास को नया आयाम प्रदान करते है। इससे पूर्व भूपाल नोबल्स संस्थान के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रो. कर्नल शिवसिंह सारंगदेवोते ने भारत नेपाल संबंध पर अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत नेपाल के सांस्कृतिक संबंध पौराणिक काल से रहे है तो हम कह सकते है कि धार्मिक एवं संस्कृतिक की दृष्टि से भारत और नेपाल का गहरा जुडाव है।

हमारी प्रार्थनाएं भगवान शिव ने सुनीं...

जम्मू से अमरनाथ मंदिर के लिए 7,800 से अधिक तीर्थयात्रियों का 10वां जत्था रवाना

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के हिमालयी क्षेत्र में स्थित अमरनाथ मंदिर के लिए 7,800 से अधिक तीर्थयात्रियों का 10वां जत्था बुधवार को यहां आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रामबन में जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग के एक हिस्से के बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण जम्मू आधार शिविर से तीन दिन तक यात्रा निलंबित रहने के बाद मंगलवार दोपहर फिर शुरू हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि एक जुलाई से अब तक कुल 1,37,353 तीर्थयात्री अमरनाथ मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। हिमालयी क्षेत्र में स्थित 3,888 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर की 62 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा एक जुलाई को शुरू हुई, जो 31 अगस्त तक चलेगी। उन्होंने बताया कि बुधवार तड़के सवा तीन बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 339 वाहनों के काफिले में 7,805 तीर्थयात्री यहां भगवती नगर आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हुए। उन्होंने बताया कि 4,677 तीर्थयात्री 207 वाहनों से पहलगाम के लिए जबकि 3,128 तीर्थयात्रियों को लेकर 132 वाहनों का काफिला बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि 30 जून से अब तक जम्मू आधार शिविर से 56,303 तीर्थयात्री घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। असम की सुनीता देवी ने कहा, '' हमें खुशी है कि हमारी प्रार्थनाएं भगवान शिव ने सुनीं, और अपने दर पर हमें बुलाया। सुनीता जम्मू में पिछले सात दिनों से फंसे 23 लोगों के एक समूह का हिस्सा थीं। शनिवार और रविवार को हुई लगातार बारिश से राजमार्ग को बेहद नुकसान पहुंचा था। खासकर रामबन जिले में पड़ने वाला हिस्सा बेहद बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था।

सारे रिकॉर्ड तोड़ेगी यमुना ? 2013 में जलस्तर ने 207 मार्क को किया था पार; 45 नावें तैनात

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी का उफान बढ़ता जा रहा है। नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बुधवार को यमुना का जलस्तर 207.18 मीटर पर पहुंच गया। 2013 के बाद पहली बार नदी के जलस्तर ने 207 के मार्क को पार किया है। तब जलस्तर 207.33 मीटर तक गया था। माना जा रहा है कि अभी जडलस्तर बढ़ने का सिलसिला जारी रह सकता है। वहीं डूब क्षेत्र में रहने वाले हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्हें भोजन और पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं राहत एवं बचाव कार्य के लिए 45 नावों को तैनात किया गया है।

45 साल में चौथी बार 207 के पार

45 साल में चौथी बार यमुना के जलस्तर ने 207 मीटर के मार्क को पार किया

है। आखिरी बार 1978 में जलस्तर रिकॉर्ड 207.49 मीटर पर पहुंचा था। फिलहाल जलस्तर बढ़ने का सिलसिला जारी है। ऐसे में संभावना है कि पुराने सभी रिकॉर्ड टूट सकते हैं। नदी में 24 घंटे में एक मीटर से ज्यादा पानी चढ़ा है। उफान के कारण इंसान ही नहीं जानवर भी मुश्किल में आ गए हैं। पानी में डूब चुके यमुना खादर से निकलकर सैकड़ों परिवारों ने मयूर विहार में खुले आसमान के नीचे शरण ली।

मंगलवार सुबह 206.38 मीटर था जलस्तर

दिल्ली में नदी का पानी अनुमान से पहले सोमवार शाम को खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गया था। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के बाढ़-निगरानी मंच के अनुसार, हरियाणा द्वारा यमुनानगर में हथिनीकुंड बैराज से यमुना नदी में अधिक पानी छोड़े जाने के कारण सोमवार शाम पांच बजे ओल्ड रेलवे ब्रिज पर जलस्तर बढ़कर 205.4 मीटर हो गया था और मंगलवार सुबह छह बजे तक ओल्ड रेलवे ब्रिज पर जलस्तर बढ़कर 206.38 मीटर पर पहुंच गया। इसके मंगलवार शाम तक 206.75 मीटर तक बढ़ने की आशंका है।

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड की पत्नी का निधन

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' की पत्नी श्रीमती सीता दहल का लंबी बीमारी के बाद बुधवार की सुबह हृदयाघात से निधन हो गया। वह 69 वर्ष की थीं। उनके परिवार में चार संतान हैं। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर किया जाएगा।

नेपाली प्रधानमंत्री के निजी चिकित्सक (फिजीशियन) प्रो. डॉ. युवराज शर्मा ने बताया कि पार्किन्सन, मधुमेह उच्च तनाव से पीड़ित श्रीमती दहल को आज सुबह करीब आठ बजे दिल का दौरा पड़ा। उन्हें तुरंत उपचार दिया

गया। लेकिन काफी कोशिश के बाद उन्हें बचाया नहीं जा सका। साढ़े आठ बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

सचिवालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार देश में माओवादी आंदोलन की केंद्रीय सलाहकार रहीं श्रीमती दहल का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के मुख्यालय में 11 बजे से दोपहर एक बजे तक रखा जाएगा और दो बजे पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में बागमती नदी के तट पर पशुपति आर्यघाट पर उनकी अंत्येष्टि की जाएगी।

बंगाल में चुनाव के बाद भी भीषण हिंसा जारी, तीन लोगों की मौत; IPS भी घायल

,कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के ऐलान होते ही राजनीतिक हिंसा शुरू हो गई थी। यह दौर मतदान के दौरान भी जारी रहा और चुनाव परिणाम आने के बाद भी जारी है। बता दें कि अब भी मतगणना पूरी नहीं हो पाई है। बुधवार सुबह दक्षिण 24 परगना में हुई हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई और एक आईपीएस अधिकारी घायल हो गए। 8 जून के बाद से अब तक कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई है। चुनाव के दिन ही 18 लोग मारे गए थे। पंचायत चुनाव में टीएमसी ने क्लीन स्वीप कर दिया है। सत्ताधारी दल ने भाजपा का काफी पीछे छोड़ दिया। पिछले चुनाव में भाजपा ने जहां जीत दर्ज की थी इस बार टीएमसी ने वहां

भी परचम लहरा दिया। अब तक की जानकारी के मुताबिक टीएमसी 33 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायत की सीटें जीत चुकी है। वहीं भाजपा के खाते में 9 हजार सीटें आई हैं। कांग्रेस को ढाई हजार सीटें मिली हैं। 2018 में टीएमसी ने 48636 में से 38188 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं पंचायत समिति की 9730 सीटों में सी टीएमसी को 2612 सीटें हासिल हो गई हैं और भाजपा को महज 275 पर जीत मिली है। जिला परिषद की सीटों में भी टीएमसी का ही बोलबाला है। चुनाव के दिन भी बड़े स्तर पर हिंसा और बूथ कैप्चरिंग हुई थी। इसके बाद 10 जुलाई को 697 बूथों पर दोबारा वोटिंग करानी पड़ी। दक्षिण 24 परगना के भांगोर में टीएमसी और आईएसएफ के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इसके बाद क्रूड बम चले, गोलियां चलीं। पुलिस को भी रबर बुलेट से फायर करना पड़ा और आंसू गैस छोड़नी पड़ी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हिंसा में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा एएसपी रैंक के पुलिस अधिकारी घायल हो गए हैं। उन्हें भी गोली लग गई थी। बता दें कि कलकत्ता हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि परिणाम के कम से कम 10 दिन बाद तक राज्य में केंद्रीय बलों की तैनाती रहे।

बृजभूषण के खिलाफ सबूत में तस्वीरें भी शामिल, कॉल डिटेल्स भी बढ़ा रहीं मुश्किलें; क्या बोली पुलिस

नई दिल्ली। पहलवानों से यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली के कोर्ट में दाखिल भाजपा सांसद और पूर्व डब्लूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप पत्र में ऐसी तस्वीरें हैं जो कि शिकायतकर्ता के दावे की पुष्टि करती नजर आती हैं। आरोप पत्र में कई तस्वीरें भी पेश गई हैं जो साबित करती हैं कि बृजभूषण शरण सिंह उस कार्यक्रम में मौजूद थे जहां पर यौन उत्पीड़न का मामला हुआ था। हालांकि दिल्ली के अशोका रोड स्थित डब्लूएफआई के कार्यालय में ना तो विजिटर रजिस्टर था और ना ही सीसीटीवी।

शिकायत में उनके घर का भी जिक्र किया गया है। दिल्ली पुलिस की तरफ से दाखिल चार्जशीट में कहा गया है कि बृजभूषण शरण सिंह पर आईपीसी की धारा 506, 354 और 354ए के तहत यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़ और पीछा करने का केस चलाया जा सकता है। इसके लिए पुलिस के पास पर्याप्त सबूत उपलब्ध हैं। बता दें कि राउज अवेन्यू कोर्ट में दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट फाइल की है।

चार्जशीट के मुताबिक डब्लूएफआई अधिकारियों ने पुलिस जो जो चार फोटो उपलब्ध करवाए हैं उनके मुताबिक कजाकिस्तान में बृजभूषण शरण सिंह महिला पहलवान के साथ मौजूद थे। वहीं दो ऐसा भी

फोटो हैं जिनमें देखा जा सकता है कि बृजभूषण पहलवान के करीब थे। डब्लूएफआई से मिली तस्वीरों, काल डीटेल और गवाहों के रिकॉर्ड के आधार पर चार्जशीट में कहा गया है की 6 पीड़ितों मेंसे पांच ने उत्पीड़न की जिन जगहों का जिक्र किया है वहां बृजभूषण मौजूद थे।

पहली पहलवान ने जो आरोप लगाए हैं उसमें कहा गया है कि कोच उन्हें बृजभूषण से मिलाने के लिए ले गए। एक हाथ में झंडा था इसलिए मैंने उन्हें दूसरे हाथ से दूर हटाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं हटे। एक बार रेस्लिंग लीग में जब मैं एक सेट में हारी तो मैं टीम बॉक्स की तरफ गई। वहां बृजभूषण आए और मुझे जबरन हग किया। वह 15 से 20 सेकंड तक पकड़े रहे। मैंने उन्हें पीछे धकेलने की कोशिश की लेकिन वह नहीं हटे।

दो तस्वीरों में पहलवानों के करीब दिखे बृजभूषण-दो फोटोग्राफ में देखा जा सकता है कि वह पहलवान के नजदीक खड़े हैं। वीडियो और फोटो इस बात के सबूत हैं कि उस जगह बृजभूषण मौजूद थे। दूसरी रेसलर ने आरोप लगा कि मुझे कोच के साथ डब्लूएफआई ऑफिस में बुलाया गया। भूषण ने मुझसे कुर्सी पर बैठने को कहा। मैंने बताया कि मुझे चोट लगी है।

संपादकीय

नियुक्ति को नकारा

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक संजय मिश्रा का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाये जाने को अवैध बताते हुए सरकार से उन्हें 31 जुलाई तक हटाने को कहा है। हालांकि, तीसरी बार बढ़ाया गया उनका कार्यकाल अभी 18 नवंबर तक था। कोर्ट ने सरकार से इस पद पर बीस दिन में नयी नियुक्ति करने को कहा है। कोर्ट का मानना है कि मिश्रा का तीसरा कार्यकाल बढ़ाया जाना अवैध है। दरअसल, कोर्ट पहले भी सरकार को कह चुकी थी कि संजय मिश्रा का कार्यकाल तीसरी बार न बढ़ाया जाये। सरकार की दलील थी कि वे अभी मनी लॉन्ड्रिंग समेत कई महत्वपूर्ण मामलों की निगरानी कर रहे हैं। जिसकी वजह से नई नियुक्ति के लिये सरकार कुछ समय चाहती है। उल्लेखनीय है कि जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संजय करोल की बेंच ने यह फैसला कॉमन कॉज नामक स्वयंसेवी संगठन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। इससे पहले अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी करते हुए गत आठ मई को अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था। दरअसल, वर्ष 2021 में जब कोर्ट ने निदेशक संजय मिश्रा का कार्यकाल बढ़ाने से मना किया था तो इसके खिलाफ केंद्र सरकार 2021 में सेंट्रल विजिलेंस कमीशन एक्ट में बदलाव के लिये एक अध्यादेश लायी थी। इस संशोधन में प्रावधान रखा गया कि देश की महत्वपूर्ण जांच एजेंसियों के निदेशक को पांच साल तक सेवा विस्तार दिया जा सकता है। तदुपरांत केंद्र ने तीसरी बार संजय मिश्रा का कार्यकाल 18 नवंबर 2023 तक बढ़ा दिया। हालांकि, कोर्ट ने कार्यकाल बढ़ाने वाले कानून में बदलाव को वैध माना, लेकिन नियुक्ति को अवैध ठहराया। कोर्ट का मानना था कि किसी भी जांच एजेंसी के निदेशक का कार्यकाल बढ़ाया जाना तार्किक होना चाहिए। इस फैसले के खिलाफ कांग्रेस व तृणमूल कांग्रेस ने भी याचिका दायर की थी। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से विपक्षी नेता आरोप लगाते रहे हैं कि केंद्र सरकार विपक्षी नेताओं को डराने-धमकाने और राजनीतिक लाभ के लिये ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करती रही है। पिछले कुछ वर्षों में जांच एजेंसियों में सबसे ज्यादा चर्चा प्रवर्तन निदेशालय की ही रही है। तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं व कारोबारियों के लेनदेन में कथित अनियमितताओं की जांच ईडी कर कर रही थी। कई लोगों की गिरफ्तारियां भी हुईं। यही वजह है कि संजय मिश्रा के मामले में याचिका दायर करने वालों की दलील थी कि ईडी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और देश हित में उसे स्वतंत्र होना चाहिए। कोर्ट ने भी सवाल किया था कि क्या वजह है कि उसके आदेश के बावजूद मिश्रा का कार्यकाल लगातार बढ़ाया जा रहा है। वहीं सरकार की दलील थी कि मिश्रा कई संवेदनशील व महत्वपूर्ण मामलों की जांच कर रहे हैं, जिसे तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाना बाकी है। केंद्र के पक्षकार का तर्क था ईडी डायरेक्टर संयुक्त राष्ट्र में भी देश का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

श्रावण मास दे रहा संदेश शिवत्व को अपनाए वही शिव उपासक

– डॉ. दीपक आचार्य

भगवान शिव को समर्पित यह श्रावण केवल शिव साधना के विभिन्न आयामों के निर्वाह मात्र या आयोजनों में रमे रहने भर का माह नहीं है बल्कि एक संदेश है जो सृष्टि के कल्याण क लिए सर्वस्व समर्पण के लिए मंगलकारी संदेश भी संवहित करता है। व्यष्टि और समष्टि के उद्धार तथा इनके उपयुक्त संचालन, संपादन और बहुआयामी मंगल की वृष्टि के लिए जरूरी कारकों के बारे में आत्मचिंतन करने का अवसर है यह पूरा का पूरा माह।

शिवत्व को आत्मसात करें

शिव अर्थात् सत्यं, शिवं सुन्दरं का मूर्तमान स्वरूप प्रकटाने का महानतम सामर्थ्य जगाने वाला तत्व, जिस पर टिका हुआ है पिण्ड और ब्रह्माण्ड। इस माह में हर दिन होने वाली शिव उपासना का प्रत्येक अनुष्ठान और कर्म अपने आप में वैज्ञानिक धारणाओं को लिए हुए है तथा प्रत्येक विधा से संकेतित होता है कोई न कोई संदेश। हम बरसों से शिवलिंग पर पानी, दूध, विजया, शहद इत्यादि द्रव्यों का अभिषेक करते आ रहे हैं लेकिन इसके मर्म को समझने की कोशिश हमने कभी नहीं की।

शिव और जीव के मध्य बने सेतु

शिवलिंग पर जब भी अभिषेक हो या जल चढ़ाएं तब यह भावना रखें कि शिव और जीव के बीच का महीन सेतु बन रहा है और वह धार शिव एवं जीव के मध्य ऊर्जा संचरण का वह सशक्त दैवीय एवं दिव्य माध्यम बनी हुई है जिससे ऊर्जा के प्रवाह का आनंद पाने के बाद कुछ भी शेष नहीं रह जाता है।

इसमें एकाग्रता, एकतानता, समर्पण और श्रद्धा के साथ कई बातों का समावेश है जो हमें शिवत्व के निकट ले जाने में समर्थ है और एक समय ऐसा भी आ जाता है जब शिवभक्ति करते हुए हमें अपने आप में शिवत्व का अहसास होने लगता है।

समर्पण और श्रद्धा ही है मूलाधार

दुनिया के समस्त द्रव्य शिव आराधन के लिए समर्पित कर देने की जो दिली भावना रखता है वस्तुतः वही व्यक्ति शिवत्व को पाने का अधिकारी है। औघड़दानी भोले बाबा का स्वभाव फक्कड़ है और उनके पास वह सब कुछ नहीं दिखता जो आज आदमी की इच्छाओं में होता है लेकिन अपने पास शून्य होने के बावजूद शीघ्र प्रसन्न होने वाले भगवान आशुतोष शिव वह सब कुछ दे सकते हैं जो हमारे मन-मस्तिष्क और कल्पनाओं से भी परे होता है। शिवत्व की शुरूआत शून्यत्व से ही होती है जब हम मन-मस्तिष्क और हृदय से पूरी तरह शून्य और मुक्त हो जाते हैं। इसीलिए शिव महिमा में कहा गया है कि शिव श्मशानवासी हैं और उन्हें श्मशान में ही रहना पसंद है। इसका आशय यह है कि यदि हम शिव को अपने हृदय में प्रतिष्ठित करना चाहें तो हृदय को श्मशान अर्थात समस्त प्रकार की कामनाओं से शून्य बनाएं तभी शिव का आवाहन कर उन्हें प्रतिष्ठित करने का सामर्थ्य पा सकते हैं।

औरों के लिए जीने का माद्दा पैदा करें

आज हम श्रावण माह भर शिव के नाम पर कितने ही जाप कर लें, अभिषेक कर डालें, रात-रात भर जागरण, भजन-कीर्तन में रमे रहें और भोलेनाथ को रिझाने के लिए सारे आडम्बरों और पाखण्डों, अनुष्ठानों और कथा-सत्संग एवं आराधना के सभी उपायों का सहारा ले लें, मगर यह सब तब तक व्यर्थ है जब तक हमारे दिल में शिवत्व की भावना न हो।

शिवत्व का सीधा संबंध है अपरिग्रह, द्वन्द्वमुक्त, उदार, प्राणीमात्र के प्रति संवेदनशील, सदाचारी, परोपकारी, सेवाभावी और मानवता के लिए समर्पित होना। इनमें से एक भी गुण अपनाने में हमें मौत आती है, और बातें झाड़ते रहे हैं शिवत्व की, भोलेनाथ को खुश करने की। शिव के व्यक्तित्व, जीवन, परिवेश और गूढ़ रहस्यों को समझे बिना शिव तत्व की बातें करना निरर्थक ही है।

प्रकृति का सामीप्य ही देता है शिव की निकटता

शिव कैलाशवासी हैं जहाँ प्रकृति का उन्मुक्त विलास और स्वच्छंद वैभव पसरता है। जीव तभी शिवत्व की प्राप्ति कर सकता है जब वह प्रकृति के करीब हो।

आज हमने प्रकृति को रहने ही कहाँ दिया है, बस्तियों के जंगल बसा लिए हैं। प्रकृति के दर्शनों के लिए हमें मीलों दूर जाना पड़ रहा है। न ताजी हवा रहने दी है, न आँखों को सुहाने वाली हरियाली। जल, जंगल और जमीन का हमने जो हश्र किया है उसे देखते हुए शिवत्व पाने की कल्पना बेमानी ही है।

प्रकृति से जीव जितना दूर जा रहा है उसकी समस्याएं उतनी ही ज्यादा बढ़ती जा रही हैं, स्वास्थ्य का कबाड़ा हो गया है और नाश्ते की तरह गोलियां लेने को विवश हैं।

जीव को जड़त्व से मुक्त करें

हालात ये हो गए हैं कि शिवत्व तो मिल नहीं पा रहा है और उसके बदले जीवन में जड़त्व, मूर्खत्व और अंधत्व घर करता जा रहा है। कुछ बरस पहले की ही बात है जब सारी खुली जमीं और आसमाँ हमारा था और उसका अपना आनंद था जिसे सभी लोग मिल-जुल कर उपभोग कर प्रसन्नता का अनुभव किया करते थे। अब वो सब समाप्त हो गया है। आज न खुला आसमाँ हम देख पा रहे हैं, न हमारे आस-पास खुली जमीं है। घरौंदों और खंदकों में दुबके जानवरों की तरह हमारी कूप मण्डूकों जैसी दशा होती जा रही है। फिर प्रकृति से दूरी बनाए रखकर हम शिवत्व की कल्पना कैसे कर सकते हैं ? शिवत्व को पाने के लिए आक्षितिज पसरी धरा और उन्मुक्त आकाश का दर्शन और अनुभव जरूरी है।

समन्वय और सौहार्द पर ध्यान दें

शिवत्व को पाने के लिए यह भी जरूरी है कि हम समन्वय, सौहार्द और समरसता को अपनाएं। शिव के पास जो गण, अनुचर हैं, विभिन्न प्रकार के जानवर हैं और प्रकृति है, उनमें सभी विपरीत स्वभाव के होने के बावजूद सब शिव के सान्निध्य में एक साथ रहते हैं और प्रसन्न रहते हैं। शिव परिवार के ये सभी तत्व विभिन्न रसों और स्वभावों के परिचायक हैं। इन सभी प्रकार के स्वभावों से भरे गण समुदाय, लोगों और जानवरों के बीच समन्वय, सौहार्द और शांति स्थापित करने की वजह से ही शिव को पशुपतिनाथ के नाम से संबोधित किया जाता है। आज जो लोग शिव उपासना से शिवत्व पाने के लिए इच्छुक हैं उन्हें अपने भीतर पशुपतिनाथ का साधक होने का माद्दा और गर्व पैदा करना होगा क्योंकि मौजूदा युग में अपने आस-पास पशुता से भरे लोगों और पशुओं की संख्या खूब ज्यादा बढ़ी हुई है।

पशुपतिनाथ के साधक होने का गर्व रखें

कोई छोटा पशु है, कोई बड़ा। कोई लोकप्रिय पशु है, कोई गुमनामी के अंधेरों में जीने वाला। कई किस्मों से पशुओं से घिरा हुआ है आज आदमी। पहले सिर्फ नाखून, सिंग, खुर और नैसर्गिक अस्त्रों भरे पशु होते थे। आज के दोपायों में अलग किस्म के हिंसक अस्त्र हैं। कहीं पॉवर है, कहीं आसुरी वृत्तियाँ, और कहीं अंधा मोह, आसक्ति और पशुबुद्धि चमचों-चापलुसों और निरन्तर जयगान करते हुए भरमाने वालों का अभेद्य सुरक्षा घेरा। फिर कई पशु दूसरों के दिमाग पर चलने वाले हैं।

आदमियों में भी पशु बुद्धि वाले लोग खूब ज्यादा हैं और ऐसे में इन तमाम प्रकार के पशुओं पर नियंत्रण तथा उन्हें साथ लेकर चलने का हुनर विकसित करने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है पशुपतिनाथ के उपासक होने का गर्व। तभी हम अपने आस-पास के पशुओं के जमघट पर नियंत्रण पा सकते हैं। भगवान भोलेनाथ की उपासना करने का यह अर्थ नहीं है कि ललाट पर भस्म त्रिपुण्ड लगाएं, भस्मी रमाए बैठें, भंग छानें, गांजा फूंकें या जोरों से बम-बम, हर हर महादेव, ऊँ नमः शिवाय के उद्घोषों में ऊर्जा लगाएं, कावड़यात्राओं में कावरें ले-लेकर पब्लिसिटी और स्वाँग रचते रहें। इनमें सच्चे शिवभक्तों पर ही शिव प्रसन्न होते हैं, इस बात का ख्याल हम सभी को हर पल रखना चाहिए।

जीवन के हर व्यवहार में शिवत्व जरूरी

हमारी शिव उपासना तभी सफल हो सकती है जब हम जीवन में पवित्रता लाएं, भ्रष्टाचार, बेईमानी और व्यभिचारों से दूर रहें, कामनाओं से शून्य होकर अनासक्त जीवन जिएं, जरूरतमन्दों और गरीबों की उदारतापूर्वक मदद करें और जो हमारे पास है, वह समाज का है, यह मानकर लोक सेवा तथा अपने अंचल की सेवा का भाव चरम उदारतापूर्वक और बिना किसी भेदभाव के अपनाएं, ट्रस्टी के रूप में सेवा के मिशन में सहभागी बनते रहें।

ऐसा हमने कर लिया तो अपने आप में शिवत्व का बीज अंकुरित हो जाएगा और वट वृक्ष के रूप में पल्लवित भी। फिर न हमें शिवलिंग के सामने बैठकर हाथ जोड़ने की आवश्यकता रहेगी, न मनों जल का अभिषेक करने की, न पूजा करने या कराने की। असली शिवत्व तभी आ पाएगा जब हम शिव के स्वभाव और विलक्षण गुणों को ईमानदारी के साथ जीवन में अपनाएँ। सभी को श्रावण मास के अनुष्ठानों में आशातीत सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ....। भगवान भोलेनाथ महा आनंद की भावभूमि प्रदान करें ...। हर-हर महादेव।

भक्तों के फौजदारी मामले की सुनवाई करते हैं बाबा बासुकीनाथ

(लेखक-कुमार कृष्णन)

श्रावण माह भगवान शिव को समर्पित है। भगवान शिव तो 'संहारक' है, सृजन कर्ता और 'नव निर्माण कर्ता' भी है। 'शिव' अर्थात कल्याणकारी, सर्वसिद्धिदायक, सर्वश्रेयस्कर 'कल्याणस्वरूप' और 'कल्याणप्रदाता' है। जो हमेशा योगमुद्रा में विराजमान रहते है और हमें जीवन में योगस्थ, जीवंत और जागृत रहने की शिक्षा देते है। पुराणों में उल्लेख है कि समुद्र मंथन के दौरान निकले विष के विनाशकारी प्रभावों से इस धरा को सुरक्षित रखने के लिये भगवान शिव में उस हलाहल विष को अपने कंठ में धारण किया और पूरी पृथ्वी को विषाक्त होने से; प्रदूषित होने से बचा लिया। भगवान शिव ने विष शमन करने के लिये अपने सिर पर अर्धचंद्राकार चंद्रमा को धारण किया तथा सभी देवताओं ने माँ गंगा का पवित्र जल उनके मस्तक पर डाला ताकि उनका शरीर शीतल रहे तथा विष की उष्णता कम हो जाये। चूंकि ये घटना श्रावण मास के दौरान हुई थीं, इसलिए श्रावण में शिवजी को माँ गंगा का पवित्र जल अर्पित कर शिवाभिषेक किया जाता है, कांवड यात्रा इसी का प्रतीक है। शिवाभिषेक से तात्पर्य दिव्यता को आत्मसात कर आत्मा को प्रकाशित करना है। प्रतीकात्मक रूप से शिवलिंग पर पवित्र जल अर्पित करने का उद्देश्य है कि हमारे अन्दर की और वातावरण की नकारात्मकता दूर हो तथा सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में सकारात्मकता का समावेश हो। तीर्थ नगरी देवधर स्थित द्वादश ज्योर्तिलिंग बाबा बैधनाथ और सुलतानगंज की उत्तर वाहिनी गंगा तट पर स्थित बाबा अजगैबीनाथ के साथ दुमका जिला में सुरभ्य वातावरण में स्थित बाबा बासुकीनाथ धाम की गणना बिहार और झारखंड ही नहीं, वरन् राष्ट्र और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख शैव-स्थल के रूप में होती है। देवघर-दुमका मुख्य मार्ग पर स्थित इस पावन धाम में श्रावणी- मेला के दौरान केसरिया वस्त्रधारी कांवरिया तीर्थयात्रियों की खास चहल-पहल रहती हैं। ऐसी मान्यता है कि बासुकीनाथ की पूजा के बिना बाबा बैद्यनाथ की पूजा अधुरी है। यही कारण है कि भक्तगण बाबा बैद्यनाथ की पूजा के साथ साथ यहां आकर नागेश ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात बाबा बासुकीनाथ की अराधना करते हैं। सावन के महीने में तो हजारों दृ लाखों भक्तगण सुलतानगंज-अजगैबीनाथ से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल अपने कांवरों में भरते हैं। फिर एक सौ किलोमीटर से भी अधिक पहाड़ी जंगली रास्ते पैदल पारकर इसे देवघर में बैधनाथ ज्योतिर्लिंग पर चढ़ाते हैं। इसके बाद वे बासुकीनाथ आकर नागेश ज्योतिर्लिंग पर जल-अर्पण करते हैं। भगवान शिव औघड़दानी कहलाते हैं। भक्तों की भक्ति से प्रसन्न होकर तुरंत वरदान देनेवाले। तभी तो शिवभक्तों की नजरों में यहां भगवान शंकर की अदालत लगती है। शिव-भक्त मानते हैं कि जहां (बैद्यनाथ धाम) भगवान शंकर की दीवानी अदालत है, वही बासुकीनाथ धाम उनकी फौजदारी अदालत है। बाबा बासुकीनाथ के दरबार में मांगी गयी मुरादों की तुरंत सुनवाई होती है। यही कारण है कि साल के बारहों महीने यहां देश के कोने-कोने से भक्तों का आवागमन जारी रहता है।

प्राचीन काल में बासुकीनाथ घने जंगलों से घिरा था। उन दिनों यह क्षेत्र दारूक-वन कहलाता था। पौराणिक कथा के अनुसार इसी दारूक-बन में द्वादश ज्योतिर्लिंग स्वरूप नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का निवास था। शिव पुराण में वर्णित है कि दारूक-बन दारूक नाम के असुर के अधीन था। कहते हैं, इसी दारूक-बन के नाम पर संताल परगना प्रमंडल के मुख्यालय दुमका का नाम पड़ा है। बासुकीनाथ शिवर्लिंग के आविर्भाव की कथा अत्यंत निराली है। एक बार की बात है- बासु नाम का एक व्यक्ति कंद की खोज में भूमि खोद रहा था। उसके शस्त्र से शिवलिंग पर चोट पड़ी। बस क्या था- उससे रक्त की धार बह चली। बासु यह दृश्य देखकर भयभीत हो गया। उसी क्षण भगवान शंकर ने उसे आकाशवाणी के द्वारा धीरज दिया दृ डरो मत, यहां मेरा निवास है। भगवान भोलेनाथ की वाणी सुन बासु श्रद्धा-भक्ति से अभिभूत हो गया और उसी समय से उस लिंग की मूर्त्ति-पूजन करने लगा। बासु द्वारा पूजित होने के कारण उनका नाम बासुकीनाथ पड़ गया। उसी समय से यहां शिव-पूजन की जो परम्परा शुरू हुई, वो आज तक विद्यमान है। आज यहां भगवान भोले शंकर और माता पार्वती का विशाल मंदिर है। मुख्य मंदिर के बगल में शिव गंगा है जहां भक्तगण स्नान कर अपने आराध्य को बेल-पत्र, पुष्प और गंगाजल समर्पित करते हैं तथा अपने कष्ट क्लेशों को दूर करने की प्रार्थना करते हैं। यह माना जाता है कि वर्तमान दृश्य मंदिर की स्थापना 16वीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में हुई। हिंदुओं के कई ग्रंथों में सागर मंथन का वर्णन किया गया है, जब देवताओं और असुरों ने मिलकर सागर मंथन किया था। बासुकीनाथ मंदिर का इतिहास भी सागर मंथन से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि सागर मंथन के दौरान पर्वत को मथने के लिए वासुकी नाग को माध्यम बनाया गया था। इन्हीं वासुकी नाग ने इस स्थान पर भगवान शिव की पूजा अर्चना की थी। यही कारण है कि यहाँ विराजमान भगवान शिव को बासुकीनाथ कहा जाता है इसके अलावा मंदिर के विषय में एक स्थानीय मान्यता भी है। कहा जाता है कि यह स्थान कभी एक हरे-भरे वन क्षेत्र से आच्छादित था जिसे दारुक वन कहा जाता था। कुछ समय के बाद यहाँ मनुष्य बस गए जो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दारुक वन पर निर्भर थे। ये मनुष्य कंदमूल की तलाश में वन क्षेत्र में आया करते थे। इसी क्रम में एक बार बासुकी नाम का एक व्यक्ति भी भोजन की तलाश में जंगल आया। उसने कंदमूल प्राप्त करने के लिए जमीन को खोदना शुरू किया। तभी अचानक एक स्थान से खून बहने लगा। बासुकी घबराकर वहाँ से जाने लगा तब आकाशवाणी हुई और बासुकी को यह आदेशित किया गया कि वह उस स्थान पर भगवान शिव की पूजा अर्चना प्रारंभ करे। बासुकी ने जमीन से प्रकट हुए भगवान शिव के प्रतीक शिवलिंग की पूजा अर्चना प्रारंभ कर दी, तब से यहाँ स्थित भगवान शिव बासुकीनाथ कहलाए। भगवान भोले शंकर की महिमा अपरंमपार है। वे देवों के देव महादेव कहलाते हैं। वे व्याघ्र चर्म धारण करते हैं, नंदी की सवारी करते हैं, शरीर में भूत-भभूत लगाते हैं, श्माशान में वास करते हैं, फिर भी औघड़दानी कहलाते हैं। दिल से जो कुछ भी मांगों, बाबा जरूर देगे। जैसे भगवान भोले शंकर, वैसे उनके भक्तगण! बाबा हैं कि उन्हें किसी प्रकार के साज-बाज से कोई मतलब नहीं, और भक्त हैं कि दुनिया के सारे आभूषण और अलंकार उनपर न्यौछावर करने के लिये तत्पर! अपने आराध्य को प्रसन्न करने के लिये! भक्त और भगवान की यह ठिठोली ही तो भारतीय धर्म और संस्कृति का वैशिष्ट्य है। श्रावण मास में शिव पूजन के अलावा यहां की महाश्रृगांरी भी अनुपम है। कहते हैं कि कलियुग में वसुधैव कुटुम्बकम तथा सर्वे भवंतु सुखिनः जैसी उक्तियों को प्रतिपादित करने के लिये शिव की उपासना से बढ़कर अन्य कोई मार्ग नहीं हैं! और, शिव की उपासना की सर्वोत्तम विधि है - महाश्रृगांर का आयोजन! गंगाजल घी, दूध दही, बेलपत्र आदि शिव की प्रिय वस्तुओं को अर्पित कर उन्हें प्रसन्न करने का सबसे उत्तम उपाय। तभी तो साल के मांगलिक अवसरों पर भक्तगण बाबा बासुकीनाथ की महाश्रृगांरी और महामस्तकाभिषेक का आयोजन करते हैं। महाश्रृंगार के दिन बासुकीनाथ की शिव-नगरी नयी-नवेली दुलहन की तरह सज उठती है-मानों स्वर्ग पृथ्वी पर उतर आया हो। लगता है दृदेव -लोक के सभी देवी— देवता पृथ्वी-लोक पर अवतरित हो गये हैं- भगवान भूतनाथ की रूप-सज्जा देखने के लिये। आये भी क्यों नहीं। देवों के देव महादेव की महाश्रृगांरी जो है। शिव का स्वरूप विराट् है। किंतु इनकी आराधना अत्यंत सरल भी है और कठिन भी। इनकी महाश्रृंगारी तो और भी कठिन। आखिर जगत के स्वामी के महाश्रृगांर की जो बात है। इस हेतु साधन जुटायें भी तो कैसे। पर, भगवान की लीला की तरह भक्तों की भक्ति भी न्यारी होती है। शिव की आराधना में उनके श्रृंगार हेतु भक्त मानों अपनी सारी निष्ठा ही लगा देते हैं। और, शिव की स्रष्टि की श्रेष्टतम् सामग्रियां लाकर शिव को ही समर्पित करतें हैं।

न्यायपालिका के आदेशों की अग्नि परीक्षा?

(लेखक - सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में ईडी के निदेशक संजय कुमार मिश्रा का, तीसरी बार कार्यकाल बढ़ाने के केंद्र सरकार के फैसले को अवैध करार दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया है, कि संजय मिश्रा 31 जुलाई तक ही पद पर बने रह सकते हैं। 15 दिन के अंदर सरकार ईडी के नए निदेशक के चयन की प्रक्रिया पूरी करे। सुप्रीम कोर्ट ने एक निर्णय इसके पहले भी दिया था। जो दिल्ली सरकार के अधिकारों से संबंधित था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के पश्चात केंद्र सरकार द्वारा अध्यादेश लाकर,सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को अप्रभावी बनाते हुए, अध्यादेश के माध्यम से निर्वाचित मुख्यमंत्री को उनके ही अधीनस्थ अधिकारियों की कमेटी में शामिल कर,सामूहिक निर्णय की बाध्यता और अंतिम निर्णय एलजी को करने का अधिकार देकर,सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को एक तरह से मानने से इनकार कर दिया। अब यह मामला भी सुप्रीम कोर्ट में गया हुआ है। जिस पर सुप्रीम कोर्ट को निर्णय करना है। ईडी निदेशक के तीसरे कार्यकाल को बढ़ाने पर जो आपत्ति याचिका दायर की गई थी। उसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के तीन सदस्यों की खंडपीठ ने की। जिसमें जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ,जस्टिस संजय करोल शामिल थे। तीन सदस्यों की खंडपीठ ने अपने निर्णय में कहा है, कि सरकार कानून बनाकर कार्यकाल मे विस्तार कर सकती है। अध्यादेश के माध्यम से जो कार्यकाल बढ़ाया गया है। उसे सुप्रीम कोर्ट ने वैध नहीं माना है। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यों की खंडपीठ ने, सीबीआई से जुड़े दिल्ली पुलिस इस्टैब्लिशमेंट एक्ट और ईडी से जुड़े सीवीसी एक्ट में बदलाव को सही ठहराया है। जो संशोधन सरकार द्वारा किए गए हैं, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने उसमें अपनी मुहर लगा दी है। जिसके कारण सरकार को असीमित शक्तियां एक बार फिर मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जो बयान आया है। उसमें उन्होंने इस निर्णय को सरकार की जीत निरूपित किया है। कुल मिलाकर सुप्रीम कोर्ट में जो याचिका दायर की गई थी। उस पर सुप्रीम कोर्ट ने केवल संजय कुमार मिश्रा को तीसरी बार अध्यादेश के माध्यम से सेवा वृद्धि दी गई थी। उस को अवैध माना है। सरकार ने जो संशोधन किये थे, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मोहर लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को अपने निर्णय में अधिकार दिया है,कि वह कानून बनाकर सेवा वृद्धि करते, तो वह सही होता। इसका एक अर्थ यह भी निकाला जा रहा है। दिल्ली सरकार के, अधिकार के संबंध में जो फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया था। अभी जो फैसला सेवा वृद्धि के मामले में दिया है। उसके अवलोकन से ऐसा लगता है, कि सुप्रीम कोर्ट का मानना है, कि सरकार कानून बनाकर जो भी काम करती है। वह सुप्रीम कोर्ट की नजर में पूर्णताः वैध हैं। संविधान के मौलिक अधिकारों और संविधान के अन्य प्रावधान पर सुप्रीम कोर्ट का मौन यह बता रहा है, कि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के स्थान पर, सरकार द्वारा बनाए गए कानूनों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा सही ठहराया जा रहा है। कानून के जानकारों का मानना है कि इससे न्यायपालिका की स्थिति दिनों दिन कमजोर होती चली जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के वि भिन्न फैसलों से स्पष्ट है कि सरकार और सरकार के बनाए हुए कानून ही अब सुप्रीम होंगे। विधि विशेषज्ञों का मानना है, सुप्रीम कोर्ट को संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार केंद्रीय कानूनों का परीक्षण करते हुए निर्णय देने की अपेक्षा की जाती है। अब सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्णय में सं विधान के प्रावधान को अह मियत देखने को नहीं मिल रही हैं। इस तरह के निर्णय से न्यायपालिका के अधिकार भी धीरे-धीरे सीमित होते जा रहे हैं। वही सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भी अब सरकार के नजरिये के अनुसार अग्निपरीक्षा से गुजरना पड़ेगा।

सरकार चाहेगी तो हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों की पालना होगी। सरकार नहीं चाहेगी, तो अध्यादेश एवं कानून के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्णय निष्प्रभावी बना दिए जाएंगे। ऐसी स्थिति में संविधान और संविधान में मिले मौलिक अधिकारों का कोई औचित्य नहीं रह जाएगा।

मारुति इन्विक्टो की डिलेवरी के लिए करना होगा 2 माह का इंतज़ार

मुंबई । मारुति सुजुकी ने हाल ही में अपनी नई एमपीवी इन्विक्टो को लांच किया था। इन्विक्टो को मार्केट में खूब पसंद किया जा रहा है। इन्विक्टो को अब तक 7000 बुकिंग्स मिल चुकी हैं। वही कंपनी को उम्मीद है कि आंकड़ा बढ़ सकता है। वहीं डीलर्स के अनुसार कई जगहों पर इन्विक्टो के लिए ग्राहकों को 2 माह का इंतज़ार करना होगा। इस मारुति के नेक्सा आउटलेट्स के माध्यम से बेचा जा रहा है और अधिकांश स्थानों पर टेस्ट ड्राइव के लिए शोरूम तक पहुंच चुकी है। इनविक्टो को लेकर कहा जा रहा है कि ये इनोवा हाईक्रॉस के साथ बहुत कुछ साझा करता है। यह 24.79 लाख से लेकर 28.42 लाख रुपए तक जाती है।

सुजुकी इंडिया ने 5 मिलियन यूनिट्स का उत्पादन किया

मुंबई । सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने प्रोडक्शन में माइलस्टोन हासिल किया है। कंपनी ने बताया कि उन्होंने 5 मिलियन यूनिट्स का उत्पादन कर लिया है। इस मील पत्थर को हासिल करने में कंपनी को 16 साल का समय लग गया। निर्माता ने हाल ही में अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर को ओबीडी 2 कंपोनेट के साथ ई20 फ्यूल रेडी बनाया है। इस अपडेट के बाद यह स्कूटर अब 20 प्रतिशत इथेनॉल-ब्लेंडेड फ्यूल से चलेगा। सुजुकी एसेसज 125 की कीमत 79,400 से लेकर 89,500 तक जाती है।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री जून में दो प्रतिशत बढ़ी

मुंबई । घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की थोक बिक्री जून में सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 3,27,497 इकाई रही। उद्योग निकाय सियाम ने इसकी जानकारी दी। आंकड़ों के मुताबिक जून 2022 में डीलरों को 3,20,985 यात्री वाहन भेजे गए थे। पिछले महीने दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 13,30,826 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले की इसी अवधि में यह 13,08,764 इकाई थी। बयान के मुताबिक समीक्षाधीन माह में तिपहिया वाहनों की कुल बिक्री लगभग दो गुना बढ़कर 53,019 इकाई हो गई, जबकि जून 2022 में यह 26,701 इकाई थी।

आरबीआई ने दो बैंकों का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दो सहकारी बैंकों- कर्नाटक के तुमकुर स्थित श्री शारदा महिला सहकारी बैंक और महाराष्ट्र में सतारा स्थित हरिहरेश्वर बैंक के लाइसेंस रद्द कर दिए। दोनों बैंकों के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं थी। आरबीआई ने कहा, हरिहरेश्वर सहकारी बैंक के मामले में बैंक कारोबार के बंद होने का आदेश 11 जुलाई, 2023 से प्रभावी हो गया है। इसके लगभग 99.96 जमाकर्ताओं को जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से उनका कुल जमा दिया जाएगा। वहीं, श्री शारदा महिला सहकारी बैंक के लगभग 97.82 प्रतिशत जमाकर्ताओं को डीआईसीजीसी से उनके जमा का पूरा पैसा वापस किया जाएगा। परिसमापन पर, प्रत्येक जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी पांच लाख रुपए तक की जमा राशि के लिए जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा। लाइसेंस रद्द होने के बाद बैंकों को बैंक संबंधित गतिविधियों से प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिसमें अन्य चीजों के अलावा जमा स्वीकार करना और जमा का पुनर्भुगतान शामिल है। आरबीआई ने कहा कि दोनों सहकारी बैंकों के पास उचित पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं।

पीएम मोदी के फ्रांस दौरे पर राफेल एम फाइटर जेट्स की डील होगी पक्की

पुतिन का मिग-29 के जेट्स नहीं खरा उतरा

पेरिस ।

13 और 14 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के दौरे पर जा रहे हैं। माना जा रहा है कि दौरे पर भारत और फ्रांस के बीच भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल एम फाइटर जेट्स की डील फाइनल होगी। रक्षा खरीद परिषद की तरफ से पिछले दिनों इसकी मंजूरी दी गई है। इन जेट्स के अलावा भारत के मझगांव डॉक्स लिमिटेड की तरफ से तीन अतिरिक्त स्कॉर्पियन क्लास की पनडुब्बी निर्माण का भी ऐलान होगा। फ्रांस से आने वाले राफेल, नौसेना के मिग-29के जेट्स जगह लेने वाले हैं। ये जेट्स पुराने पड़ चुके हैं और पिछले काफी सालों से इन्हें हटाने की कोशिशें जारी हैं। राफेल के अलावा अमेरिका का हॉर्नेट जेट भी इस रेस में था। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि रूस से भारतीय नौसेना को मिलने वाले मिग-29के अपने शुरुआती दिनों से ही उसकी जरूरतों को पूरा करने में असफल साबित हुए हैं। नौसेना के पास इकलौता यह फाइटर जेट है जो दुश्मनों के खिलाफ मोर्चा संभाले हुए है। रक्षा विशेषज्ञों की राय में जेट ऐसा होना चाहिए जो एयरक्राफ्ट कैरियर से अपने हर ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा कर सके। नौसेना ने कुछ समय पहले सी-हैरियर को रिटायर कर दिया था। इसके बाद से यही इकलौता विकल्प बचा था। साल 2016 में आई कैग की रिपोर्ट में भी इस जेट पर सवाल उठाए गए थे। कैग में कहा गया था कि मिग-29 के को सिर्फ भारतीय नौसेना ही ऑपरेट कर रही है। इंजन, एयरफ्रेम और फ्लाई-बाय-वायर सिस्टम में खामियों की वजह से ये जेट लंबे समय तक ऑपरेशन में नहीं रह सकते हैं। इस जेट की सर्विसबिलिटी भी 15.93 फीसदी से 37.63 फीसदी तक ही थी। भारत ने साल 2004 और 2010 में दो अलग-अलग ऑर्डर के तहत 10,000 करोड़ रुपए की लागत से रूस से 45 मिग-29के जेट्स और उपकरणों की डील की थी। राफेल एम को भी दसॉल्ट एविएशन ने बनाया है। यह जेट भारतीय नौसेना की वॉरशिप आईएनएस विक्रांत से ऑपरेट होगा। भारत से पहले राफेल एम को ग्रीस, इंडोनेशिया और यूएई की सेनाएं प्रयोग कर रही हैं। नौसेना ने साल 2022 में जेट का ट्रायल किया था और इसकी रिपोर्ट रक्षा मंत्रालय को सौंप दी थी। नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को कई ज्यादा बेहतरी से पूरा कर सकता है।

रुपया 82 .13 पर बंद

मुंबई । अमरेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की बढ़त के साथ ही 82 .13 पर बंद हुआ जबकि गत दिवस रुपया 82.44 पर बंद हुआ था।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया गत दिवस 82.42 के भाव पर खुलने के बाद 82.38 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह इसके पिछले बंद भाव की तुलना में 21 पैसे की बढ़त है। गत दिवस डॉलर के मुकाबले रुपया 82.59 के भाव पर बंद हुआ था। दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 फीसदी के नुकसान के साथ 101.81 पर आ गया।

देश में यह मिल रहे 25 से 30 रुपये किलों में टमाटर

देहरादून ।

पूरे देश में इन दिनों टमाटर की आसमान छूती कीमतों ने लोगों को परेशान कर दिया हैं। जिलों की सब्जी मंडियों में टमाटर 120 से लेकर 150 रुपये तक बिक रहा है। वहीं उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ जिले के गांवों में रहने वाले लोग नेपाल में बेहद सस्ते दामों पर मिल रहे टमाटर लेने के लिए दौड़ लगा रहे हैं। नेपाल में टमाटर की कीमत 25 से 30 रुपये किलो है। इसकारण ग्रामीण नेपाल से टमाटर खरीद कर ला रहे हैं। इसके पहले भारत में जब पेट्रोल और डीजल के दाम एकाएक बढ़ने लगे तब भी उत्तराखंड के सीमावर्ती गांव के लोगों ने नेपाल का रुख किया था। क्योंकि वहां पेट्रोल और डीजल काफी सस्ता मिल रहा था। अब टमाटरों के लिए भी भारतीयों की ऐसी ही दौड़ लग रही है। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में खेती अधिक होती है। यहां पर कई सस्ती चीजों के लिए भारतीयों को नेपाल का क्षेत्र खूब भाता है। अब जहां टमाटर के दाम आसमान छू रहे हैं। दूसरी तरफ, पिथौरागढ़ और चंपावत जिले से लगते नेपाल के सीमावर्ती गांव में टमाटर की कीमतें सामान्य है। यही वजह है कि नेपाल का सस्ता टमाटर पिथौरागढ़ से चंपावत तक के लोगों और कारोबारियों को काफी भा रहा है। नेपाल में टमाटर की अच्छी फसल होने को भी दाम कम होने का कारण माना जा रहा है। मॉनसून सीजन में भी टमाटर के रेट स्थिर हैं और स्थानीय लोगों को राहत दे रहे हैं। सीमा पार करते ही नेपाल का टमाटर दोगुने दाम 60 रुपये प्रति किलो तक मिल रहा है। जबकि भारत के मैदानी हिस्सों से सप्लाई होकर यहां तक पहुंचने वाला टमाटर 120 रुपये किलो बेचा जा रहा है। व्यापार संघ के अनुसार, नेपाल में दाम कम होने की वजह से टमाटर वहां से भारत लाया जा रहा है। कई लोग हैं जो नेपाल में ना जाकर भारत में ही नेपाल का सस्ता टमाटर खरीद रहे हैं। क्षेत्र में इन दिनों अधिकांश भारतीय व्यापारी ही नेपाल से टमाटर खरीद कर बेच रहे हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 224 , निफ्टी 55 अंक गिरा

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही निवेशकों के कमजोर रुख से आई है। आज सुबह विदेशी निवेशकों की लिवाली और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीदारी के कारण बाजार बढ़त के साथ खुला पर समय बीतने के साथ ही निवेशकों के सतर्क रुख से बिकवाली हावी हो गयी जिससे बाजार नीचे आने लगा। निवेशकों ने भारत और अमेरिका में आज आने वाले प्रमुख सीपीआई महंगाई के डेटा से पहले सावधानी भी बरती।

दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 223.94 अंक करीब 0.34 फीसदी नीचे आकर 65,393.90 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,811.64 तक ऊपर जाने के बाद 65,320.25 तक नीचे आया। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 55.10 अंक तकरीबन 0.28 फीसदी फिसलने के बाद 19,384.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,507.70 तक ऊपर जाने के बाद 19,361.75 तक गिरा

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में केवल सात लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। कोटक बैंक के शेयर सबसे अधिक करीब 0.62 फीसदी तक ऊपर आये। इसके अलावा एशियन पेंट्स, सन फार्मा, नेस्ले और टाइटन सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में शामिल रहे।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 23 नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इंफोसिस के शेयर सबसे अधिक करीब 1.17 फीसदी तक गिरे, इसके अलावा टाटा मोटर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक और एनटीपीसी सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे।

वहीं गत दिवस मंगलवार को बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 1,197.38 करोड़ रुपये के शेयर भी खरीदे थे। इससे भी बाजार को बल मिला था।

जल्द कम होगी टमाटर की कीमत......मोदी सरकार ने बनाया प्लान

केंद्र ने नेफेड और एनसीसीएफ को दिया टॉस्क

नई दिल्ली ।

देश में टमाटर की कीमतें जल्द कम हो सकती है। इसके लिए मोदी सरकार ने सुपर प्लान बनाया है। मोदी सरकार ने अपने इस प्लान में नेशनल एग्रीकल्चारल कॉरपोरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन यानी नेफेड और नेशनल कॉरपोरेटिव कंज्यूमर फोरम यानी एनसीसीएफ को भी शामिल किया है।

दोनों संगठनों को मोदी सरकार की ओर से आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र की मंडियों से टमाटर खरीदने और उन्हें उन प्रमुख कंज्यूमर सेंटर्स में पहुंचने का निर्देश दिया है, जहां रिटेल सेल ज्यादा होती है। उपभोक्त मामलों के विभाग ने कहा कि पिछले एक महीने में कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि देखने को मिली है। 14 जुलाई तक दिल्ली-एनसीआर एरिया में कंज्यूमर्स को सस्ती दरों पर रिटेल दुकानों के माध्यम से टमाटर डिस्ट्रीब्यूट किए जाएंगे। केंद्र के अपने आंकड़ों के मुताबिक, पिछले एक महीने में टमाटर की कीमतें 326.13 फीसदी बढ़ी हैं। हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्यों में लगातार बारिश के कारण स्थिति खराब हो गई है, जो दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में रसोई के प्रमुख सामान और अन्य सब्जियों का प्रमुख सप्लायर है। टमाटर उन क्षेत्रों में डिस्ट्रीब्यूट किए जाएंगे जहां पिछले एक महीने में खुदरा कीमतें ऑल इंडिया औसत से

ऊपर हैं। भारत में टमाटर का उत्पादन अलग-अलग मात्रा में लगभग सभी राज्यों में होता है। सबसे ज्यादा प्रोडक्शन भारत के दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में होता है, जिनका कुल प्रोडक्शन में योगदान 56 फीसदी से 58 फीसदी के आसपास है। दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्र में सरप्लस प्रोडक्शन की वजह से प्रोडक्शन सीजन के बेस पर देश के दूसरे बाजारों में सप्लाई करते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में प्रोडक्शन सीजन भी अलग-अलग होते हैं। सबसे ज्यादा टमाटर की कटाई दिसंबर से फरवरी तक होती है। विभाग ने कहा कि जुलाई-अगस्त और अक्टूबर-नवंबर के दौरान टमाटर का प्रोडक्शन कम होता है। विभाग ने अपने बयान में कहा कि जुलाई के महीने में मानसून के मौसम के कारण टमाटर की कीमतें काफी ज्यादा देखने को मिलती है, जो डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क बाधा पैदा करती है और ट्रांजिट लॉस में इजाफा करती है।

ई-रुपए से लेनदेन 10 लाख प्रतिदिन करने का लक्ष्य : आरबीआई

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने कहा कि केंद्रीय बैंक का लक्ष्य वर्ष 2023 के अंत तक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) यानी ई-रुपए के लेनदेन को बढ़ाकर 10 लाख प्रतिदिन करने का है। फिलहाल ई-रुपए में लेनदेन का आंकड़ा 5,000 से 10,000 प्रतिदिन है। रवि शंकर ने कहा कि जून, 2023 की मौद्रिक नीति समीक्षा में घोषित यूपीआई प्रणाली के साथ सीबीडीसी का अंतर-परिचालन जुलाई के अंत तक वास्तविकता बन जाएगा। हालांकि मौद्रिक नीति समीक्षा में सीबीडीसी परिवेश में शामिल होने के लिए और अधिक बैंकों की जरूरत पर प्रकाश डाला गया था। पायलट परीक्षण में बैंकों की संख्या आठ से बढ़कर अब 13 हो गई है। उन्होंने कहा कि फिलहाल तीन लाख व्यापारियों सहित 13 लाख सीबीडीसी उपयोगकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली के लिए प्रतिदिन 10 लाख लेनदेन होना कोई बड़ी बात नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के तहत 31 करोड़ लेनदेन होते हैं। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि इनदिनों सभी प्रयास सीबीडीसी के उपयोगकर्ता अधिक से अधिक करने पर केंद्रित हैं। अप्रैल के अंत में यह संख्या सिर्फ एक लाख थी जो अब बढ़कर 13 लाख हो चुकी है।

भारत नहीं छोड़ने वाले...जल्द ही सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम लगाएंगे

चिप मेकिंग कंपनी फॉक्सकॉन ने बताया

नई दिल्ली ।

ताइवानी चिप मेकिंग कंपनी फॉक्सकॉन ने कहा है कि वह भारत को छोड़कर कहीं नहीं जाएगी। भारत में अपना कारोबार आगे बढ़ाने के लिए कंपनी को पार्टनर्स की तलाश है। हम जल्द भारत में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम लगाएंगे। मोदी सरकार की ओर से लाई गई इंसेंटिव योजना पीएलआई (पीएलआई) के तहत जल्द काम शुरू करने की तैयारी है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना एंड टेक्नोलॉजी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि इससे चिप मेकिंग पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि दोनों ही कंपनियां इस काम में आगे बढ़ना चाहती हैं। फॉक्सकॉन ने भारतीय कंपनी वेदांता के साथ 19.5 अरब डॉलर के ज्वाइंट वेंचर को खत्म करने के बाद यह बयान जारी किया है। दोनों कंपनियां मिलकर पहले ज्वाइंट वेंचर में करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये की यूनिट लगाने की तैयारी में थीं। बाद में दोनों ने योजना से खुद को अलग कर लिया। फॉक्सकॉन अब पीएलआई योजना के तहत चिप बनाने का काम शुरू करेगी। कंपनी का कहना है कि वह इसके लिए पार्टनर्स तलाश कर रही है। इसमें भारतीय और विदेशी कंपनियां दोनों ही शामिल हो सकती हैं. जो विदेशी कंपनियां भारत में काम करने की इच्छुक हैं, उनका स्वागत है। कंपनी फॉक्सकॉन ने कहा है कि मोदी सरकार के सेमीकंडक्टर एवं डिस्प्ले फैब इकोसिस्टम के तहत 80 हजार करोड़ रुपये की फाइनेंशियल इंसेंटिव का फायदा मिलेगा, जिससे प्रोजेक्ट लगाने के लिए 50 फीसदी पूंजी की मदद होगी। कंपनी ने कहा कि वह भारत को छोड़कर कहीं नहीं जा रही। कंपनी ने 2006 में भारत में प्रवेश किया था, तब से यहीं पर हैं। हम भारत के लिए प्रतिबद्ध हैं और सरकार की योजना के साथ मिलकर जल्द देश में सेमीकंडक्टर यूनिट पर निर्माण शुरू किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट कर बताया कि फॉक्सकॉन और वेंदाता दोनों ही मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एआई में 1 अरब डॉलर का निवेश करेगी विप्रो लिमिटेड

मुंबई ।

भारतीय आईटी कंपनी विप्रो लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि वह अगले तीन सालों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में 1 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने जानकारी दी कि निवेश एआई, बड़े डेटा और एनालिटिक्स समाधानों के विस्तार के साथ-साथ नई रिसर्च और प्लेटफॉर्म के विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा। दुनिया भर की कंपनियों, बैंकों से लेकर बड़ी तकनीक तक, ने चैटजीपीटी के बाद एआई में निवेश दोगुना किया है, माइक्रोसॉफ्ट द्वारा संचालित एआई चैटबॉट ने 2022 के अंत में दुनिया में तूफान ला दिया। कंपनी ने अपने पहला एआई इनोवेशन इकोसिस्टम विप्रो एआई 360 को भी लांच कर कहा कि वह अगले 12 महीनों के दौरान अपने सभी लगभग 250,000 कर्मचारियों को एआई पर प्रशिक्षित करेगी। विप्रो के सीईओ थियरी डेलापोर्टे ने कहा, विशेष रूप से जेनरेटिव एआई के प्रवर्तन के साथ, हम सभी उद्योगों के लिए एक बुनियादी बदलाव की उम्मीद करते हैं। कंपनी एआई-केंद्रित स्टार्टअप को 'एंटरप्राइज रेडी' बनने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक जेनएआई सीड एक्सेलेरेटर प्रोग्राम को लांच करेगी।

एप्पल इंक ने भारत से आईफोन निर्यात में हासिल की सफलता

पहली तिमाही में 20,000 करोड़ रुपए के फोन निर्यात किए

नई दिल्ली । एप्पल इंक ने भारत से आईफोन निर्यात में शानदार सफलता हासिल की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में 20,000 करोड़ रुपए मूल्य के आईफोन का भारत से निर्यात किया, जो पूरे वित्त वर्ष 2023 में किए गए कुल निर्यात का 50 प्रतिशत है। पहली तिमाही के आंकड़ों से पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही (सिर्फ 4,950 करोड़ रुपए का निर्यात) के मुकाबले आईफोन निर्यात में 400 प्रतिशत वृद्धि का पता चलता है। उत्पादन केंद्रित रियायत (पीएलआई) योजना के तहत उसके तीन विक्रेताओं, फॉक्सकॉन हॉन हई, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन ने वित्त वर्ष 2024 (योजना के तीसरे वर्ष) में 61,000 करोड़ रुपए के निर्यात की प्रतिबद्धता जाहिर की हैं।

अच्छी बात यह हैं कि मौजूदा वित्त वर्ष में केंद्र के लिए इस निर्यात प्रतिबद्धता का एक-तिहाई निर्यात पहली तिमाही में ऐपल के विक्रेताओं द्वारा पहले ही पूरा किया जा चुका है और शेष लक्ष्य बाकी तीन तिमाहियों में पूरा किया जाएगा। विश्लेषकों का कहना है कि पीएलआई योजना के तहत निर्यात कंपनी की प्रतिबद्धता से ज्यादा रह सकता है। निर्यात में बड़ी तेजी आईफोन मॉडल 12, 13 और 14 की मदद से दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2023 (जब सभी तीन विक्रेता वित्तीय रियायतों के लिए पात्र थे) के मोबाइल के लिए पीएलआई के दूसरे पूरे वर्ष में, उनका संयुक्त आईफोन निर्यात 40,000 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। उस वित्त वर्ष में, एप्पल ने देश से किए गए 90,000 करोड़ रुपए मूल्य के मोबाइल फोन निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान दिया था। पिछले साल भारत से मोबाइल फोन का निर्यात वित्त वर्ष 2022 के 45,000 करोड़ रुपए के मुकाबले करीब 100 प्रतिशत तक बढ़ गया।

मोबाइल फोन निर्यातकों ने इलेक्ट्रॉनिक्स सेगमेंट को भी पिछले वित्त वर्ष शीर्ष-पांच निर्यात में से एक बनाए जाने में मदद की। भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2026 तक 50-58 अरब डॉलर मूल्य के मोबाइल फोन निर्यात का लक्ष्य रखा है, हालांकि इंडियन सेल्युलर ऐंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन का मानना है कि यह लक्ष्य संभव नहीं हो सकता है और तब तक सिर्फ 40-45 अरब डॉलर का निर्यात हो सकता है। यह अंतर चीन के ब्रांडों से निर्यात में आशाजनक तेजी नहीं आने की वजह से देखा जा सकता है।

स्टार्टअप कंपनी 'दुकान ने एआई की ली सेवा, 90 प्रतिशत कर्मचारियों को हटाया

मुंबई ।

ई-कॉमर्स क्षेत्र की स्टार्टअप कंपनी 'दुकान ने अपने 90 प्रतिशत कर्मचारियों को हटाकर उनकी जगह एआई पर आधारित चैटबोट को तैनात किया है। स्टार्टअप कंपनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुमित शाह ने इसकी जानकारी देकर कहा कि मुनाफा कमाने को प्राथमिकता देकर कर्मचारियों की जगह एआई चैटबोट की सेवाएं लेने का फैसला किया गया है। शाह ने ट्वीट किया, ''हमें इस चैटबोट एआई की वजह से अपने सपोर्ट टीम के 90 प्रतिशत सदस्यों की छंटनी करनी पड़ी है। शाह ने चैटबोट के आने से सपोर्ट सेवाओं की लागत 85 प्रतिशत तक घटने और समाधान में लगने वाले समय को भी दो घंटे से कम होकर तीन मिनट हो जाने का दावा किया है।

दुकान के 90 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की कई लोगों ने तीखी आलोचना करते हुए इस असंवेदनशील कदम बताया है। हालांकि, शाह ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा, ''अर्थव्यवस्था की हालत को देखकर स्टार्टअप यूनिकॉर्न बनने के बजाय मुनाफा कमाने को प्राथमिकता दे रहे हैं और हम भी ऐसा ही कर रहे हैं। उन्होंने निकाले गए कर्मचारियों को मिले मुआवजे के बारे में एक उपयोगकर्ता के सवाल का कोई सीधा जवाब नहीं दिया।

शाह के पाक जाने की खबरों को खारिज किया

एशिया कप का कार्यक्रम तय , भारतीय टीम के मुकाबले श्रीलंका में होंगे : धूमल

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान में अगले माह के अंत में शुरु हो रहे एशिया कप के लिए कार्यक्रम तय हो गया है। आईपीएल चेयरमैन अरूण धूमल ने कहा है कि एशिया कप में भारतीय टीम के मुकाबले श्रीलंका में होंगे। धूमल इस समय डरबन में आईसीसी मुख्य कार्यकारियों की बैठक के लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई सचिव जय शाह और पीसीबी प्रमुख जाका अशरफ की डरबन में आईसीसी बोर्ड की बैठक से पहले मुलाकात हुई ताकि एशिया कप का कार्यक्रम तय हो सके। धूमल ने कहा, 'शाह ने अशरफ से मुलाकात की और इस दौरान एशिया कप के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। एशिया कप टूर्नामेंट की हाइब्रिड व्यवस्था बरकरार रहेगी जहां पाकिस्तान चार मैचों की मेजबानी करेगा जबकि श्रीलंका सभी नॉकआउट और फाइनल सहित नौ मैचों की मेजबानी करेगा। भारतीय टीम पाक के खिलाफ एशिया कप मुकाबला श्रीलंका के दाम्बुला में खेल सकती है। पाक का अपनी धरती पर एकमात्र घरेलू मैच नेपाल से होगा। इनके अलावा पाक में अफगानिस्तान बनाम बांग्लादेश, बांग्लादेश बनाम श्रीलंका और श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान मुकाबले होंगे। पाक में लीग चरण के चार मैच होंगे जिसके बाद नौ मैच श्रीलंका में होंगे। इसमें भारत और पाक का मैच भी शामिल है। दोनों टीमें फाइनल खेलती हैं तो वह भी श्रीलंका में ही होगा। उन्होंने पाकिस्तान मीडिया में आ रही इन खबरों को आधारहीन बताया जिसमें कहा कि भारतीय टीम एशिया कप के लिए पाक जाएगी या शाह बातचीत के लिए पाक जाएंगे। धूमल ने कहा, 'इस तरह की कोई बात नहीं हुई। भारतीय टीम या हमारे सचिव पाकिस्तान नहीं जाएंगे। सिर्फ कार्यक्रम तय किया गया है।

24वें ग्रैंड स्लैम से दो कदम दूर दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच

ओसियेक (एजेंसी)। लंदन = सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच साल के तीसरे और कुल 24वें ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर कदम बढ़ाते हुए विंबलडन 2023 के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। जोकोविच ने मंगलवार को खेले गये क्वार्टरफाइनल में रूस के आंद्रे रुबलेव के खिलाफ पिछड़कर वापसी करते हुए 4-6, 6-1, 6-4, 6-3 से जीत हासिल की। फाइनल में जगह बनाने के लिए जोकोविच का मुकाबला इटली के आठवीं वरीयता प्राप्त जैनिक सिनर से होगा। सिनर ने रूस के रोमन सफीउलिन को 6-4, 3-6, 6-2, 6-2 से हराकर पहली बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में कदम रखा है।

जोकोविच अपना 46वां बड़ा सेमीफाइनल खेलते हुए सर्वाधिक सेमीफाइनल खेलने में रोजर फेडरर के पुरुष एकल रिकॉर्ड की बराबरी करेंगे। दूसरी ओर, 25 वर्षीय रूबलेव आठवीं बार प्रमुख क्वार्टरफाइनल खेल रहे थे, लेकिन वह अब भी अपने पहले सेमीफाइनल की तलाश में हैं। ओपन युग में किसी भी खिलाड़ी ने जीत के बिना इतने ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल नहीं खेले हैं। रुबलेव ऑस्ट्रेलियाई ओपन क्वार्टरफाइनल में भी जोकोविच से भिड़े थे, जहां सर्बियाई खिलाड़ी ने जीत हासिल की थी।

जोकोविच ने रुबलेव के बारे में कहा, 'मैंने जब ग्रैंड स्लैम में उनका सामना किया तो वह अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर थे। यह ऐसी चीज है जिसकी उनके जैसे खिलाड़ी से उम्मीद की जाती है। वह खेल के प्रति बहुत समर्पित हैं और हमेशा सुधार करने की कोशिश करते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं बिना किसी संदेह के उनके खेल में सुधार देख सकता हूं। मुझे लगता है कि आज उसने बहुत बढ़िया टेनिस खेला। वह बहुत दबाव डाल रहा था, बहुत तेज खेल रहा था।'

सिनर के साथ जोकोविच का सेमीफ़ाइनल मुकाबला पिछले साल विंबलडन में इस जोड़ी के क्वार्टरफ़ाइनल का रीमैच होगा जब जोकोविच ने दो सेटों से पिछड़ने के बाद 5-7, 2-6, 6-3, 6-2, 6-2 से जीत हासिल की थी। उसके बाद से दोनों खिलाड़ी आमने-सामने नहीं आए हैं। सिनर ने कहा, 'यह (सेमीफाइनल) मेरे लिये बहुत मायने रखता है। बहुत खुश हूं कि मैं अपना पहला सेमीफाइनल यहां इस विशेष जगह, एक विशेष सतह पर खेलने वाला हूं। देखते हैं कि आगे क्या होता है।'

सिनर से हारने वाले सफीउलिन विंबलडन में पदार्पण कर रहे थे। उन्होंने अपने अभियान में कई आक्रामक प्रदर्शन किये और 2014 में विश्व नंबर 144 निक किर्गियोस के बाद क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाले सबसे निचले रैंक वाले व्यक्ति बन गए।

पूर्व क्रिकेटर योगराज ने 2019 विश्वकप में हार के लिए धोनी को जिम्मेदार बताया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर योगराज सिंह ने आरोप लगाया है कि 2019 एकदिवसीय विश्वकप में मिली हार के लिए महेंद्र सिंह धोनी दोषी हैं। योगराज ने आरोप लगाया है कि तब भारतीय टीम विश्वकप जीतने के दावेदारों में शामिल थी पर धोनी के आउट होने के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में हार गयी थी। योगराज ने कहा है कि धोनी जानबूझकर रन आउट हुए थे, जिसके कारण मैच भारत के हाथ से फिसल गया था।

अपने विवादास्पद बयानों के लिए चर्चाओं में रहने वाले योगराज ने कहा कि धोनी नहीं चाहते थे कि कोई अन्य कप्तान आईसीसी ट्रॉफी जीते। उन्होंने कहा कि धोनी ने तब जानबूझकर अच्छी बल्लेबाजी नहीं की थी। एक साक्षात्कार के दौरान योगराज ने कहा, विश्वकप 2019 के सेमीफाइनल मुकाबले में धोनी ने जानबूझकर अच्छी बल्लेबाजी नहीं की थी क्योंकि धोनी नहीं चाहते थे कि विराट कोहली की कप्तानी में टीम खिताब जीते ओर कोहली उनकी बराबरी न कर पायें।

योगराज ने तर्क देते हुए कहा, तब रविन्द्र जडेजा अच्छा खेल रहे थे और भारतीय टीम लक्ष्य के करीब पहुंचने का प्रयास कर रही थी पर धोनी वैसा नहीं खेल रहे थे जैसा उन्हें खेलना चाहिए था। आईपीएल में वह अंतिम ओवर में भी 20-25 रनों को बना लेते हैं पर यहां नहीं बना पाये। वहीं अगर धोनी अपनी क्षमता का 40 फीसदी भी खेलते तो हम उस मैच को 48वें ओवर में ही मैच जीत सकते थे।

योगराज ने यह भी कहा, जडेजा जब बल्लेबाजी कर रहा था तो वही गेंदबाज व वही विकेट था और वह लगातार छक्के-चौके लगा रहे थे। वहीं, धोनी जडेजा को कह रहा है तू मार, फिर हार्दिक पांड्या को भी बोल रहा था कि तू मार। धोनी ने दो बल्लेबाजों को आउट करवा दिया। अगर जडेजा आकर इस तरह खेल सकता है तो धोनी क्यों नहीं। गौरतलब है कि उस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 239 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारतीय टीम 221 रन पर ही सिमट गई और उसे 18 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

यूरोप दौरे के लिए रवाना हुई भारतीय टीम, कप्तान सविता को अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों की तैयारी के लिए बुधवार को अपने यूरोपीय दौरे पर रवाना हो गई। सविता पूनिया की टीम सबसे पहले तीन मैचों की सीरीज के लिए जर्मनी के लिए उड़ान भरेगी, जिसके बाद वह स्पेन हॉकी फेडरेशन की 100वीं वर्षगांठ के लिए स्पेन जायेगी। जर्मनी में भारत का अभियान लिंबर्ग में 16 जुलाई को चीन के खिलाफ शुरू होगा। इसके बाद सविता की टीम 18 और 19 जुलाई को वीसबेडन और रसल्सहाइम में मेज़बान जर्मनी से भिड़ेगी।

इसके बाद भारतीय टीम स्पेनिश हॉकी फेडरेशन 100वीं वर्षगांठ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिये 20 जुलाई को स्पेन के टेरासा के लिये उड़ान भरेगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत 25 जुलाई को मेजबान स्पेन के खिलाफ करेगा, जबकि उसका अगला मुकाबला 27 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारत का आखिरी ग्रुप मैच 28 जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ होगा। भारतीय टीम अभी तक बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में प्रशिक्षण ले रही थी।

भारतीय टीम के रवाना होने से पहले कप्तान सविता ने कहा, ''हम वास्तव में इस दौरे का इंतजार कर रहे हैं। एशियाई खेलों से पहले अच्छी टीमों के खिलाफ खेलने से हमें सीखने का अच्छा अनुभव मिलेगा। आगामी एशियाई खेलों की तैयारी के लिये ये मैच महत्वपूर्ण होंगे। पिछले कुछ महीनों में अपनी ताकत और कमजोरियों पर काम करने के बाद हम जर्मनी और स्पेन में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का लक्ष्य रखेंगे।% इस बीच, भारतीय महिला हॉकी टीम की उप-कप्तान दीप ग्रेस एक्का ने कहा, ''हमने पिछले कुछ हफ्तों में कठोर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये हैं। तैयारियां वास्तव में अच्छी रही हैं, और हमारा पिछला प्रदर्शन खिलाड़ियों के लिये काफी आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। हम जर्मनी और स्पेन में अपने मैचों में इसे दोहराने की कोशिश करेंगे।

टेस्ट और महिला क्रिकेट को बचाने अतिरिक्त आर्थिक सहायता जरुरी : एमसीसी

लंदन । विश्व क्रिकेट के नियमों को बनाने वाली शीर्ष संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट और महिला क्रिकेट को बचाने के लिए उसे अतिरिक्त राशि की जरुरत है। एमसीसी समिति ने कहा कि खेल के लंबे प्रारुप को बनाये रखने के लिए ये जरुरी है। एमसीसी के अनुसार कई सदस्य देशों के लिए आर्थिक तंगी के कारण टेस्ट क्रिकेट की मेजबानी संभव नहीं रही गयी है क्योंकि इसमें खर्च अधिक आता है और इससे होने वाली आय उस अनुपात में बेहद कम है। इसी को देखते हुए टेस्ट क्रिकेट को बचाने अतिरिक्त कोष की जरूरत है जिससे कि उन सदस्य देशों की सहायता की जाये जो वित्तीय कमी से परेशान हैं। इसके साथ ही कहा कि महिला क्रिकेट को मजबूत बनाने के लिए भी अतिरिक्त कोष जरुरी है। इंग्लैंड के पूर्वकप्तान माइक गेटिंग की अध्यक्षता वाली इस एमसीस समिति में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और पूर्व महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी हैं। एमसीसी ने उन्होंने 2027 के बाद पुरूष क्रिकेट के भावी दौरा कार्यक्रम में संतुलन पर बल दिया है।

अर्जुन तेंदुलकर देवधर ट्रॉफी में दक्षिण क्षेत्र टीम की ओर से खेलेंगे

मुम्बई । अर्जुन तेंदुलकर को 24 जुलाई से पुडुचेरी में होने वाली देवधर ट्रॉफी के लिए दक्षिण क्षेत्र टीम में शामिल किया गया है। इस टीम की कप्तानी मयंक अग्रवाल करेंगे। इसमें बी साई सुदर्शन जैसे कुछ खिलाड़ियों को स्टैंडबाय के रूप में रखा गया है। मध्यम तेज गति के गेंदबाज अर्जुन ने इंडियन प्रीमियर लीग के पिछले संस्करण में मुंबई इंडियंस की ओर से पदार्पण किया था और उन्हें बीसीसीआई द्वारा अगस्त में उभरते ऑलराउंडरों के लिए रखे गए शिविर में बुलाया गया था। बाएं हाथ का तेज गेंदबाज होने के कारण अर्जुन आक्रमण में विविधता ला सकते हैं , इसके साथ ही वह अध्यक्रम में बल्लेबाजी भी करते हैं। दक्षिण क्षेत्र के तेज गेंदबाजी आक्रमण में वी कौशिक के साथ ही विद्वाथ कावेरप्पा और विशाक विजयकुमार जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। अर्जुन सात मैचों में आठ विकेट के साथ ही रणजी में गोवा टीम की ओर से संयुक्त तौर पर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी थे।

टीम : मयंक अग्रवाल (कप्तान), रोहन कुन्नुमल (उप-कप्तान), एन जगदीसन (विकेटकीपर), रोहित रायडू, केबी अरुण कार्तिक, देवदत्त पडिक्कल, रिकी भुई (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, वी कावेरप्पा, वी विशक, कौशिक वी , मोहित रेडकर, सिजोमन जोसेफ, अर्जुन तेंदुलकर, साई किशोर।

भारत की नजरें बांग्लादेश का सूपड़ा साफ करने पर, शेफाली पर फोकस

मीरपुर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम बल्लेबाजी की कमजोरियों से पार पाते हुए बांग्लादेश के खिलाफ बृहस्पतिवार को यहां तीसरे और आखिरी टी20 मैच के लिये उतरेगी तो फोकस श्रृंखला 3.0 से जीतने पर रहेगा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने पहले दो मैच आसानी से जीते। दूसरे मैच में हालांकि भारत की बल्लेबाजी निराशाजनक रही जब 20 ओवर में टीम आठ विकेट पर 95 रन ही बना सकी। भारतीय गेंदबाजों ने हालांकि बल्लेबाजों की नाकामी की भरपाई करते हुए बांग्लादेश को 87 रन पर ही समेट दिया था।

दो मैचों में नाकाम रहने के बाद एक बार फिर सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा पर सभी की नजरें होंगी। पिछले मैच में उन्होंने 14 गेंद में 19 रन बनाए जो भारतीय पारी में सर्वोच्च स्कोर था लेकिन उसे अपनी क्षमता और लोगों की अपेक्षाओं का अहसास है। उनके पास 16 जुलाई से शुरू हो रही वनडे श्रृंखला से पहले फॉर्म में लौटने का एक और मौका है। उपकप्तान स्मृति मंधाना को भी बड़ी पारी का इंतजार है।

भारतीय सलामी बल्लेबाज टीम को अच्छी शुरूआत देने में नाकाम रहे हैं और अब उनके पास अपनी गलतियों में सुधार करने का एक और मौका है। जेमिमा रौड्रिग्स ने बीच के ओवरों में 21 गेंद खेलकर सिर्फ आठ रन बनाए। पहले मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद दूसरे मैच में खाता भी नहीं खोल सकी कप्तान हरमनप्रीत फिर लय में आने की कोशिश में होंगी।

भारतीय गेंदबाजों दीप्ति शर्मा, मीनू मनी और शेफाली ने दूसरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। मेजबान टीम के बल्लेबाज भी बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेंगे। उसके गेंदबाजों ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन भारत जैसी मजबूत टीम को हराने के लिये उन्हें एक ईकाई के रूप में अच्छा खेलना होगा।

टीमें :-

भारत :- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, देविका वैद्य, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, एस मेघना, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह , अंजलि सरवनी, मोनिका पटेल, राशि कनौजिया, अनुषा बारेड्डी, मीनू मणि।

बांग्लादेश :- निगार सुल्ताना (कप्तान, विकेटकीपर), नाहिदा अख्तर, दिलारा अख्तर, शाथी रानी, शमीमा सुल्ताना, शोभना मोस्तरी, मुर्शिदा खातून, शोर्ना अख्तर, रितु मोनी, दिशा बिस्वास, मारुफा अख्तर, संजीदा अख्तर मेघला, राबिया खान, सुल्ताना खातून, सलमा खातून, फाहिमा खातून।

शंकर मुथुसामी अमेरिकी ओपन सुपर 300 के मुख्य ड्रॉ में खेलेंगे

काउंसिल क्लब्स। जूनियर विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता शंकर मुथुसामी ने यहां दो जीत दर्ज करते हुए अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। चेन्नई के 19 साल के शंकर ने मंगलवार रात अपने अभियान की शुरुआत ब्राजील के डेवी सिल्वा के खिलाफ 21-17 21-11 की जीत के साथ की और फिर कनाडा के बीआर संकीर्थ को 21-11 21-17 से हराया। सीनियर सर्किट पर पहले सत्र में हिस्सा ले रहे दुनिया के 80वें नंबर के खिलाड़ी शंकर को मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में आयरलैंड के नहात एनगुएन से भिड़ना है। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैंपियन पारूपल्ली कश्यप हालांकि जापान के कू ताकाहाशी के खिलाफ अपने दूसरे दौर के मुकाबले के बीच से हट गए। कश्यप ने जब हटने का फैसला किया तब वह21-23 7-11 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने पहले दौर में इंग्लैंड के रोहन मिधा को 21-19 21-17 से हराया था। कृष्ण प्रसाद गारगा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला की पुरुष युगल की जोड़ी को मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में ही चीनी ताइपे के लिन यू चीह और सू ली वेई के खिलाफ 14-21 14-21 से हार का सामना करना पड़ा।

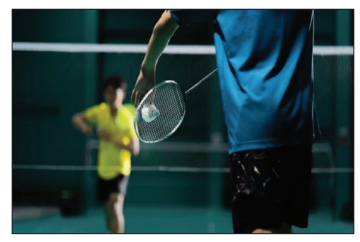

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग: ट्रैविस हेड ने स्टीव स्मिथ को पछाड़ा, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टॉप 3 से बाहर

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। = ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड ने आईसीसी द्वारा जारी नई टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने हमवतन स्टीव स्मिथ को पछाड़कर विश्व नंबर 2 स्थान हासिल कर लिया है। बाएं हाथ के हेड ने लीड्स में हाल ही में तीसरे एशेज टेस्ट में अपने स्कोर के दम पर करियर का सर्वोच्च स्थान हासिल किया। हेड दो स्थान की छलांग लगाकर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी न्यूजीलैंड के केन विलियमसन से पीछे हैं। 29 वर्षीय हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा एशेज सीरीज में अब तक 44.33 की औसत से 266 रन बनाए हैं। हाल के तीसरे टेस्ट में उन्होंने हेडिंग्ले में 39 और 77 रन बनाए। उनकी पारी श्रृंखला को सुरक्षित करने के लिए ऑस्ट्रेलिया की मजबूत चुनौती में महत्वपूर्ण थी, लेकिन इंग्लैंड ने एशेज को 2-1 से बरकरार रखने के लिए तीसरे टेस्ट में तीन विकेट से जीत हासिल की। बल्लेबाजी रैंकिंग में इस ऊपर की ओर बढ़ने से शीर्ष पर फेरबदल हुआ क्योंकि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम तीन पायदान आगे बढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इस बीच ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ (चौथे) और मार्नस लाबुस्चगने (पांचवें), इंग्लैंड के जो रूट (छठे) के साथ, शीर्ष स्थान की तीव्र दौड़ में एक-एक स्थान नीचे खिसक गए। इस बीच तीसरा टेस्ट जीतने के बाद इंग्लैंड को काफी सकारात्मक खबरें मिलीं। युवा प्रतिभा हैरी ब्रूक ने दूसरी पारी में अपने शानदार अर्धशतक की बदौलत एक स्थान ऊपर चढ़कर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और रैंकिंग में 12वां स्थान हासिल किया।

हम विंडीज को कम नहीं आंक रहे, पिछले 2 सालों में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा : रहाणे

स्पोर्ट्स डैस्क - भारतीय क्रिकेक टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए विंडीज के खिलाफ भिड़ने के लिए तैयार है। इस मैच में उप-कप्तान अजिंक्या रहाणे पर काफी नजरें रहने वाली हैं, जिन्होंने खराब वक्त से गुजरते हुए फिर से वापसी करने में सफलता पाई थी। भारत का पलड़ा भारी माना जा रहा है क्योंकि वह पिछले 21 सालों से विंडीज से टेस्ट में नहीं हारा है। हालांकि, रहाणे का मानना है कि वह मेजबान टीम को कम नहीं आंक रहे हैं। रहाणे ने कहा, 'हम विंडीज को कम नहीं आंक रहे हैं। पिछले एक से दो सालों में टेस्ट में घरेलू मैदान पर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। बारबाडोस में आने से पहले हमने अच्छी तैयारी की थी, इसलिए हम अच्छी तरह तैयार हैं। अब यह सब अच्छी शुरुआत के बारे में है।' यशस्वी जयसवाल नंबर 3 पर उतरते हुए टेस्ट क्रिकेट में विंडीज के खिलाफ डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वह चेतेश्वर पुजारा की जगह शामिल हुए हैं। पुजारा पिछले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में भारत के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, लेकिन पिछले महीने ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए डब्ल्यूटीसी फाइनल में उनका खराब प्रदर्शन रहा। वहीं 21 साल के मुंबई के सलामी बल्लेबाज जयसवाल का 26 पारियों में नौ शतकों के साथ प्रथम श्रेणी औसत 80.21 है। तेज गेंदबाज उमेश यादव को भी टीम से हटा दिया गया और उनकी जगह नवदीप सैनी को लिया गया, जिन्होंने 2021 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दो टेस्ट खेले। मोहम्मद शमी को आराम दिया गया, जिससे मोहम्मद सिराज 19 टेस्ट के साथ सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज बन गए। अन्य चार तेज गेंदबाज सैनी, शार्दुल ठाकुर, जयदेव उनादकट, अनकैप्ड मुकेश कुमार हैं। डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारत के नंबर 1 रैंक के टेस्ट गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन का चयन न होने से हलचल मच गई। लेकिन विंडसर पार्क का धीमी गेंदबाजी के प्रति पक्षपाती होना स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा के अलावा अश्विन को एक कारक बना सकता है। भारत ने कैरेबियन में पिछली चार सीरीज जीती हैं। अगले सप्ताह पोर्ट ऑफ स्पेन में दूसरा टेस्ट टीमों के बीच 100वां टेस्ट होगा।

मीराबाई के नक्शेकदम पर चलकर उनको पीछे छोड़ना चाहती हैं ज्ञानेश्वरी

बैंकॉक(एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा = मीराबाई चानू कई खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं लेकिन ज्ञानेश्वरी देवी के लिए वह प्रतिस्पर्धी भी हैं और यह प्रतिभाशाली भारोत्तोलक तोक्यो ओलंपिक पदक विजेता की तरह सफलता हासिल करने का ही नहीं बल्कि प्रतिस्पर्धा में उन्हें पीछे छोड़ने का भी सपना देखती है। ज्ञानेश्वरी भी मीराबाई की तरह 49 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करती हैं। पिछले साल रैंकिंग सीरीज में 20 साल की यह खिलाड़ी पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई के बाद दूसरे स्थान पर रही थी।

ज्ञानेश्वरी ने कहा, 'मीरा दीदी मेरी प्रेरणा हैं और वह प्रतिस्पर्धी भी हैं (49 किग्रा वर्ग में)। इसलिए मुझे हमेशा से यकीन है कि एक दिन मैं उन्हें पीछे छोड़ दूंगी।% उन्होंने कहा, 'उन्हें प्रतिस्पर्धा करते हुए देखना काफी प्रेरणादायी है। उन्होंने 49 किग्रा वर्ग में विश्व रिकॉर्ड बनाया है और मैं भी ऐसा ही करना चाहती हूं।% अपनी आदर्श मीराबाई से पहली बार मुलाकात को बयां करने के लिए 2022 जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी के पास शब्द नहीं थे।

उन्होंने कहा, 'मैं 2021 में एनआईएस पटियाला में शिविर में उनसे मिली। यह ओलंपिक के बाद की बात है। उन्हें देखकर मुझे बेहद खुशी हुई। मैं उनसे गले मिली और फिर उनसे बात की। यह अनुभवी अविश्वसनीय था। मैं इससे शब्दों में बयां नहीं कर सकती।' ज्ञानेश्वरी मीराबाई के साथ एनआईएस पटियाला में प्रशिक्षण लेती हैं। मीराबाई अभी अमेरिका के सेंट लुई 65 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा, 'अब, मैं उनसे हर दिन मिलती हूं और वह हमेशा मुझसे बहुत अच्छे से मिलती हैं। मैंने उन्हें ट्रेनिंग करते हुए, उनके पेशेवरपन और समर्पण को देखकर बहुत कुछ सीखा है।'

ज्ञानेश्वरी ने कहा, 'वह भारतीय भारोत्तोलन को ओलंपिक स्तर तक ले गईं और यह बहुत बड़ी बात है। मैं भी ओलंपिक में अपने देश के लिए इतिहास बनाना चाहती हूं।' ज्ञानेश्वरी इस महीने जूनियर एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगी लेकिन वह एशियाई खेलों में भाग लेने से चूक गईं जहां मीराबाई 49 किग्रा भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्होंने कहा, 'इस बार एशियाई खेलों में मीरा दीदी वहां हैं लेकिन अगले सत्र में मैं निश्चित रूप से वहां रहूंगी।' छत्तीसगढ़ के भोंडिया गांव की रहने वाली ज्ञानेश्वरी ने बुधवार को यहां राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में 178 किग्रा (78 किग्रा और 98 किग्रा) के कुल प्रयास के साथ 49 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्यटन

केरल राज्य कई नदियों और पर्वत-पहाड़ियों से घिरा हुआ एक अनोखा पर्यटक स्थल है। जहां प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक यहां का सौंदर्य निहारने के लिए आते है। खास तौर पर यहां का विशिष्ट वन्य जीवन और जल प्रपात मन को मंत्रमुग्ध कर देते है।

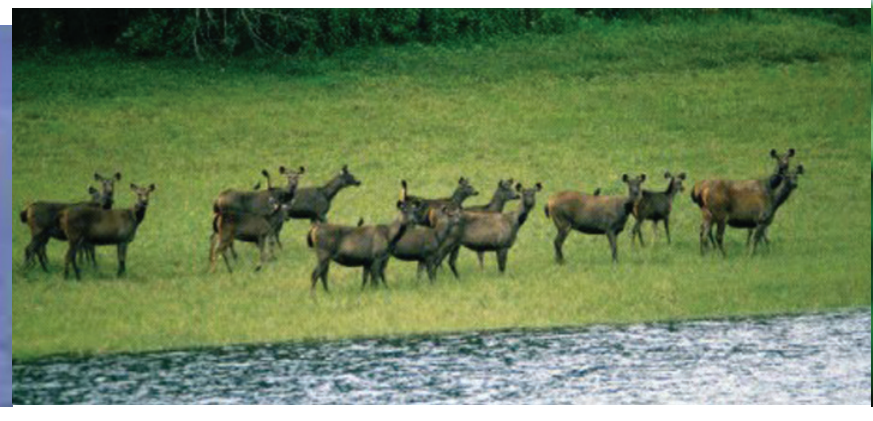

एक अनोखा पर्यटक स्थल

केरल नेशनल पार्क

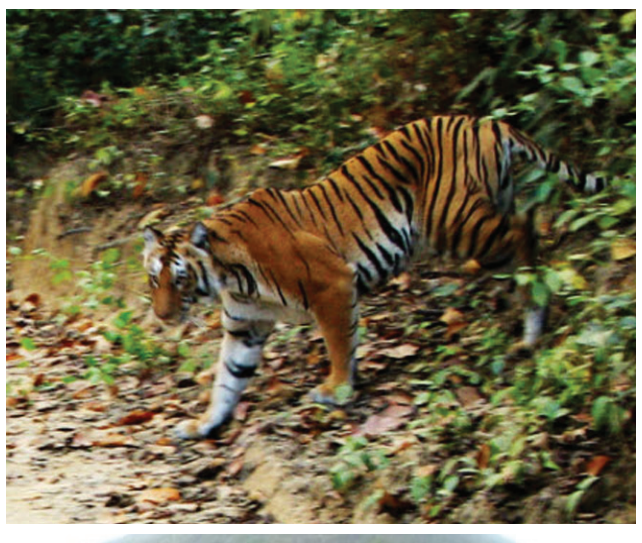

आइए जानते है केरल के महत्वपूर्ण नेशनल पार्क। जिनमें प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर मुख्य तौर इर्रावीकुलम नेशनल पार्क, पेरियार नेशनल पार्क, साइलेंट वैली नेशनल पार्क, वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क, इडुकी नेशनल पार्क आदि कई छोटे-बड़े नेशनल पार्क आते हैं। गौरतलब है कि विश्व भर में केरल वन्यजीवों की आरामगाह के रूप में भी प्रसिद्ध है।

इर्रावीकुलम

केरल और तमिलनाडु की सीमा पर स्थित इर्रावीकुलम नेशनल पार्क मुख्य रूप से नीलगाय तराह (हेमीट्रेगस हाइलो क्रिकस) के संरक्षण के लिए स्थापित किया गया पार्क है। ज्ञात हो कि नीलगाय तराह एक दुर्लभ पशु है, जो सिर्फ हिमालय के ठंडे इलाकों में पाया जाता है।

वर्ष 1978 में इस वन्यजीव पार्क को नेशनल पार्क का दर्जा प्राप्त हुआ। 97 वर्ग किलोमीटर में फैला पेड़-पौधों से भरपूर, घास के बड़े मैदान से युक्त इर्रावीकुलम पार्क के उत्तरी सिरे को, जो तमिलनाडु राज्य को छूता है, उसे अन्नामलाई के नाम से विश्व में पहचाना जाता है। यहां से अनामुड्डी हिमालय की 2695 मीटर की सबसे ऊंची दक्षिणी चोटी पूरी भव्यता के साथ इस अभयारण्य में दिखाई देती है। यहां नील गिरी लंगूर, लायन टेल्ड मेकाक, चीते, बाघ आदि कई दुर्लभ प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां भी पाई जाती है।

साइलेंट वैली

केरल के पश्चिमी छोर पर कुंडलई हिल्स पर साइलेंट वैली नेशनल पार्क स्थित है। मुख्य रूप से हाथी, बाघ और शेर, पूंछ वानर जैसे जीवों के साथ-साथ कई दुर्लभ किस्मों की औषधि और पेड़-पौधों के कारण यह पार्क प्रसिद्ध है। यहां का अनुकूल वातावरण और छोटी-बड़ी नदियां एवं पहाड़ इसे वन्यजीवों के लिए आरामगाह बनाते हैं।

पेरियार = केरल के पश्चिमी छोर पर पेरियार नेशनल पार्क स्थित है। यह मुख्य तौर पर बाघों के संरक्षण के लिए बनाया गया एक नेशनल पार्क है, जो दुनिया भर के नेशनल पार्क में अपना प्रमुख स्थान रखता है। इसे अंग्रेजों द्वारा सन् 1895 में अधिगृहीत किया गया था तथा अंग्रेजों ने उस वक्त यहां एक कृत्रिम झील और बांध का निर्माण भी किया था। पेरियार नेशनल पार्क 777 वर्ग किलोमीटर में फैला एक आरक्षित वन है। इसे प्रसिद्ध प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वर्ष 1978 में प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। पेरियार नदी के नाम पर ही इसे पेरियार टाइगर रिजर्व भी कहा जाता है, जो पश्चिमी घाट की ऊंची श्रृंखला पर बसा सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। भारत का यह एकमात्र ऐसा अभयारण्य है, जहां हाथियों को केवल एक नाव की दूरी से देखा जा सकता है और उनकी तस्वीरें भी ली जा सकती हैं। यहां के वन्य जीवन और सुंदरता के कारण यह विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है।

वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

बाघ और तेंदुए के लिए वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह बांदीपुर नेशनल पार्क का ही हिस्सा है। इस अभयारण्य में हिरण, भालू, हाथी, बाघ-चीते, जंगली-सीएट बिल्ली, बंदर, जंगली कुत्ते, भैंसे ऐसे कई प्रकार के वन्य जीव-जंतु पाए जाते हैं। यहां पर अपार जैव विविधता है। यह अभयारण्य नील गिरी बायोस्फीयर रिजर्व का अविभाज्य भाग है, जिसे इस क्षेत्र की जैविक विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

यहां पर विशेष पाए जाने वाले सरीसृप हैं मॉनिटर छिपकली। साथ ही अनेक प्रकार के सांप यहां देखे जा सकते हैं। यहां पक्षियों में खास तौर पर मोर, उल्लू, कठफोड़वा, जंगली फाउल, बैबलर, कुक्कु आदि मुख्य हैं।

इडुकी

केरल के दक्षिण भारतीय राज्य में बसा यहां के सर्वोत्तम स्थानों में से एक है इडुकी नेशनल पार्क। जो वन्य जीवों के लिए मुख्य तौर पर माना जाता है। यहां बाघ, हाथी, भैंस, भालू, जंगली सुअर, सांभर तथा जंगली कुत्ते-बिल्लियां आदि बड़े-बड़े झुंडों में घूमते नजर आते हैं। इस पार्क में जंगली फाउल, काली बुलबुल, लाफिंग थ्रश, कठफोड़वा, मैना आदि कुछ महत?वपूर्ण पक्षी भी दिखाई पड़ते हैं। यहां पर सांपों की अनेक प्रजातियों में विशेष कोबरा, वाइपर, क्रेट और कई विषरहित साप भी यहां पाए जाते हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि अगर आपने अभी तक केरल के नेशनल पार्क नहीं देखे हैं, तो एक बार जरूर जाइए। यहां के कई प्रजाति के वन्य जीवों को देखकर आप मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह पाएंगे।

जानिए प्राचीन शहर यरूशलम को

प्राचीन और नया शहर

माउंट ऑफ ओलिब्स पर खड़े होकर आप सामने यरूशलम के प्राचीन शहर को देखते हैं, तो उसके मनोरम और भव्य दृश्य का नजारा देख आप मंत्रमुग्ध होकर सोचना बंद कर देते हैं। ओलिब्स पहाड़ी से सुंदर गुंबद और गुंबदों के पीछे दीवार नजर आती है। एक वर्ग किलोमीटर की पहाड़ी दीवारों से घिरा हजारों सालों का इतिहास लिए यह शहर दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी की आस्था का केंद्र हैं।

भूमध्य सागर और मृत सागर के बीच इसराइल की सीमा पर बसा यरूशलम एक शानदार शहर है। शहर की सीमा के पास दुनिया का सबसे ज्यादा नमक वाला डेड-सी यानी मृत सागर है। कहते हैं यहां के पानी में इतना नमक है कि इसमें किसी भी प्रकार का जीवन नहीं पनप सकता और इसके पानी में मौजूद नमक के कारण इसमें कोई डूबता भी नहीं है।मध्यपूर्व का यह प्राचीन नगर यहूदी, ईसाई और मुसलमान का संगम स्थल है। उक्त तीनों धर्म के लोगों के लिए इसका महत्व है, इसीलिए यहां पर सभी अपना कब्जा बनाए रखना चाहते हैं। जेहाद और क्रूसेड के दौर में सलाउद्दीन और रिचर्ड ने इस शहर पर कब्जे के लिए बहुत सारी लड़ाइयां लड़ी। ईसाई तीर्थयात्रियों की रक्षा के लिए इसी दौरान नाइट टेम्पलर्स का गठन भी किया गया था।इसराइल का एक हिस्सा है गाजा पट्टी और रामल्लाह। जहां फिलिस्तीनी मुस्लिम लोग रहते हैं और उन्होंने इसराइल से अलग होने के लिए विद्रोह छेड़ रखा है। यह लोग यरूशलम को इसराइल के कब्जे से मुक्त कराना चाहते हैं। अंततः इस शहर के बारे में जितना लिखा जाए कम है। काबा, काशी, मथुरा, अयोध्या, ग्रीस, बाली, श्रीनगर, जाफना, रोम, कंधहार आदि प्राचीन शहरों की तरह ही इस शहर का इतिहास भी बहुत महत्व रखता है।

इतिहास और विवाद

हिब्रू में लिखी बाइबिल में इस शहर का नाम 700 बार आता है। यहूदी और ईसाई मानते हैं कि यही धरती का केंद्र है। राजा दाऊद और सुलेमान के बाद इस स्थान पर बेबीलोनियों तथा ईरानियों का कब्जा रहा फिर इस्लाम के उदय के बाद बहुत काल तक मुसलमानों ने यहां पर राज्य किया। इस दौरान यहूदियों को इस क्षेत्र से कई दफे खदेड़ दिया गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इसराइल फिर से यहूदी राष्ट्र बन गया तो यरूशलम को उसकी राजधानी बनाया गया और दुनिया भर के यहूदियों को पुनः यहां बसाया गया। यहूदी दुनिया में कहीं भी हों, यरूशलम की तरफ मुंह करके ही उपासना करते हैं।

ऐतिहासिक म्यूजियम व स्मारक

धार्मिक स्थलों के अलावा यहां प्राचीन एवं धार्मिक ग्रंथों का द इसराइल म्यूजियम है। इसराइल का होलोकॉस्ट म्यूजियम जिसे याद वशेम कहा जता है जिसका खासा महत्व है। यहां पर यरूशलम के इतिहास से संबंधित दस्तावेज और शहीदों के स्मारक व स्मृति चिह्नों आदि के बारे में जानकारी है। दोनों ही म्यूजियम का इतिहास बहुत पुराना है।

यरूशलम के जंगल

मुस्लिम इलाके में स्थित 35 एकड़ क्षेत्रफल में फैले नोबेल अभयारण्य में ही अल अक्सा मस्जिद, डोम ऑफ द रॉक, फव्वारे, बगीचे, गुंबद और प्राचीन इमारतें बनी हुई हैं। इसके अलावा छोटे से गॉर्डन ऑफ गेथेमिन की खूबसूरती भी देखने लायक है। इसके अलावा याद वशेम का इलाका भी यरूशलम के जंगल के नाम से प्रसिद्ध है।

पवित्र परिसर

किलेनुमा चाहरदीवारी से घिरे पवित्र परिसर में यहूदी प्रार्थना के लिए इकट्ठे होते हैं। इस परिसर की दीवार बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यह पवित्र परिसर ओल्ड सिटी का हिस्सा है। पहाड़ी पर से इस परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। इस परिसर के ऊपरी हिस्से में तीनों धर्मों के पवित्र स्थल हैं। उक्त पवित्र स्थल के बीच भी एक परिसर है। यरूशलम में लगभग 1204 सिनेगॉग, 158 गिरजें, 73 मस्जिदें, बहुत-सी प्राचीन कब्रें, 2 म्यूजियम और एक अभयारण्य है। इसके अलावा भी पुराने और नए शहर में देखने के लिए बहुत से दर्शनीय स्थल हैं। यरूशलम में जो भी धार्मिक स्थल हैं, वे सभी एक बहुत बड़ी-सी चौकोर दीवार के आसपास और पहाड़ पर स्थित है। दीवार के पास तीनों ही धर्म के स्थल हैं। यहां एक प्राचीन पर्वत है जिसका नाम जैतून है। इस पर्वत से यरूशलम का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है। इस पर्वत की ढलानों पर बहुत-सी प्राचीन कब्रें हैं। यरूशलम चारों तरफ से पर्वतों और घाटियों वाला इलाका नजर आता है।

अमेरिकी जासूसी विमान के बदले उत्तरी कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइल

सियोल । उत्तर कोरिया ने अमेरिकी जासूसी विमान के बदले में अपने पूर्वी जल क्षेत्र की ओर बुधवार को एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। यह जानकारी दक्षिण कोरिया और जापान के अधिकारियों ने दी। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया ने अपने क्षेत्र के पास अमेरिका की कथित खुफिया गतिविधियों के विरोध में दो दिन पहले ही चौंकाने वाले परिणाम भुगतने की धमकी दी थी, जिसके बाद यह प्रक्षेपण किया गया। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि प्रक्षेपण बुधवार सुबह किया गया। उन्होंने इसकी कोई जानकारी नहीं दी कि मिसाइल ने कितनी दूरी तक उड़ान भरी। इस संबन्ध में जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने उत्तर कोरिया द्वारा संभावित बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण का पता लगाया है। यह प्रक्षेपण ऐसे समय में किया गया है जब उत्तर कोरिया ने इस सप्ताह की शुरुआत में कई बयान जारी कर अमेरिका पर उसके देश की जासूसी करने के लिए उत्तर कोरिया के करीब एक सैन्य विमान उड़ाने का आरोप लगाया गया था। वहीं अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने उत्तर के आरोपों को खारिज किया और उसे शत्रुता बढ़ाने वाले किसी भी कृत्य या बयानबाजी से दूर रहने को कहा। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो जोंग ने सोमवार रात एक बयान में दावा किया कि अमेरिकी जासूसी विमान ने दिन में आठ बार उत्तर कोरिया के पूर्वी विशेष आर्थिक क्षेत्र के ऊपर से उड़ान भरी। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया ने अमेरिकी विमान को खदेड़ने के लिए युद्धक विमानों का इस्तेमाल किया। किम यो जोंग ने कहा कि आने वाले समय में 20-40 किलोमीटर के उस हिस्से में एक चौंकाने वाली घटना घटेगी जिसमें अमेरिकी जासूसी विमान लगातार उत्तर कोरिया के आर्थिक जल क्षेत्र के ऊपर आकाश में घुसपैठ करते हैं।

नेपाल में मारे गए मैक्सिकन नागरिकों ने किया था ताज का दीदार

काठमांडू। नेपाल में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में इसमें सवार सभी छह यात्रियों की मौत हो गई। इन यात्रियों में पांच लोग मैक्सिको के रहने वाले थे, जो एक ही परिवार के लोग थे। हादसे में मारे गए पांचों मैक्सिकन नागरिक नेपाल जाने से पहले भारत आए थे। जानकारी के अनुसार, मैक्सिकन परिवार ने नेपाल से पहले भारत यात्रा की थी। एब्रिल सिफुएंटेस गोंजालेज ने पांच जुलाई को ताज महल के सामने क्लिक की गई अपनी एक फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। भारत में मैक्सिको के राजदूत फेडेरिको सालास ने कहा कि पीड़ित मूल रूप से नुएवो लियोन के परिवार के सदस्य थे। इस बीच, नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) के सूचना अधिकारी ज्ञानेंद्र भुल ने कहा कि शवों को हवाई मार्ग से काठमांडू ले जाया गया है और पोस्टमार्टम के लिए त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में रखा गया है। नेपाल के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्री सूडान किराती ने घोषणा की कि सरकार इस घटना की जांच कराएगी मनांग एयर की निदेशक मुक्ति पांडे ने कहा कि सभी मृतक यात्री एक ही मैक्सिकन परिवार से थे और कल उड़ान के साथ-साथ शेरपा संस्कृति का निरीक्षण करने के लिए खुम्बू क्षेत्र के लिए उड़ान भरी थी। जिस दौरान दुर्घटना का शिकार हो गए।

अमेरिकी परमाणु पनडुब्बी के पहुंचने पर भड़का क्यूबा

हवाना । ग्वांतानामो बे में स्थित अमेरिकी नौसेना बेस पर परमाणु पनडुब्बी के पहुंचने से क्यूबा और अमेरिका के बीच टकराव बढ़ सकता है। क्यूबा सरकार ने कहा है कि इस हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही क्यूबा सरकार ने चेतावनी दी है कि इससे टकराव बढ़ सकता है। विदेश विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ग्वांतानामो बे में यह पनडुब्बी पहुंची थी और शनिवार तक वहीं पर रही। यह जानकारी उस समय में आई है, जब क्यूबा और चीनी सेनाओं के बीच सैन्य संबंधों को लेकर काफी खबरें पिछले दिनों आई थी। अमेरिकी मीडिया ने कहा, चीन, अमेरिका की जासूसी के लिए यहां पर एक अड्डा बनाना चाहता है। विदेश विभाग के मुताबिक पनडुब्बी की मौजूदगी से यह जानना जरूरी हो जाता है कि दुनिया के इस शांतिपूर्ण क्षेत्र में इस कार्रवाई के पीछे सैन्य कारण क्या हैं? इसका टारगेट क्या था और इसका रणनीतिक मकसद क्या है? मंत्रालय ने कैरेबियाई क्षेत्र में परमाणु पनडुब्बियों की मौजूदगी से पैदा हुए खतरे को लेकर चेतावनी दी है। मंत्रालय का कहना है कि क्षेत्र में अमेरिकी मिलिट्री की मौजूदगी, लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई लोगों की संप्रभुता और हितों के लिए खतरा है। वहीं, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा है, हम प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी सैन्य संपत्तियों और गतिविधियों पर चर्चा नहीं करते हैं। क्यूबा की ओर से अमेरिकी आलोचना उस समय में की गई है जब यह देश फिर महाशक्तियों के बीच बढ़ते तनाव के केंद्र में है। पिछले दिनों एक रिपोर्ट में कहा गया था कि क्यूबा ज्वॉइन्ट मिलिट्री ट्रेनिंग को लेकर चीन के साथ बातचीत कर रहा है। अखबार की तरफ से यह बात एक चीनी जासूसी अभियान पर आई रिपोर्ट के बाद कही गई थी। शुरुआत में अस्पष्ट प्रतिक्रिया के बाद अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि चीन ने क्यूबा में वर्षों से खुफिया जानकारी जुटाने की सुविधाएं बनाए रखी थीं। साल 2019 में उसने इन सुविधाओं को अपग्रेड किया था। हालांकि चीन और क्यूबा दोनों ने ही इस रिपोर्ट को मानने से इनकार कर दिया था।

रूसी नौसेना के पूर्व कमांडर की हत्या, जॉगिंग के समय मारी गोली

मॉस्को । रूसी नौसेना के एक पूर्व कमांडर की दक्षिणी शहर क्रास्नोडार में जॉगिंग के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 42 वर्षीय स्टैनिस्लाव रज़त्स्की, जिन्होंने कथित तौर पर क्रास्नोडार पनडुब्बी की कमान संभाली थी, को ओलिंप स्पोर्ट्स सेंटर के पास एक पार्क में पीठ और सीने में गोली मार दी गई थी। रूसी जांचकर्ताओं ने कहा कि एक संदिग्ध की पहचान सेरही डेनिसेंको के रूप में हुई है, जो 1959 में यूक्रेनी शहर सुमी में पैदा हुआ था। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। कई रूसी टेलीग्राम चैनलों ने दावा किया है कि डेनिसेंको यूक्रेनी कराटे फेडरेशन का पूर्व प्रमुख था। रूस की जांच समिति ने कथित गिरफ्तारी का एक वीडियो भी जारी किया है, लेकिन इसमें शख्स का चेहरा धुंधला है। बाद में इसने कथित तौर पर रज़त्स्की के सुबह की दौड़ के सीसीटीवी फुटेज प्रकाशित किए, जिसके पीछे एक बाइक पर सवार व्यक्ति भी था। कयास लगाए जा रहे हैं कि हत्यारे ने फिटनेस ऐप पर रज़ट्स्की की दौड़ को ट्रैक किया होगा क्योंकि वह दौड़ते समय नियमित रूप से उसी रास्?ते पर जाते थे। रज़ट्स्की की प्रोफ़ाइल के बीबीसी विश्लेषण से पता चला है कि वह अक्सर उस क्षेत्र में दौड़ा करते थे जहां उनके मारे जाने की सूचना है। दउनका पता और व्यक्तिगत विवरण यूक्रेनी वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया था, जो यूक्रेन के दुश्मन माने जाने वाले लोगों का एक विशाल अनौपचारिक डेटाबेस है। हालांकि अब साइट पर उनकी तस्वीर पर लाल अक्षरों में लिक्विडेटेड शब्द अंकित कर दिया गया है। एक बयान में, यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी ने कहा कि भारी बारिश के कारण पार्क सुनसान था इसलिए कोई गवाह नहीं है जो विवरण दे सके या हमलावर की पहचान कर सके। यूक्रेनी आंतरिक मंत्रालय के सलाहकार एंटोन गेराशचेंको ने ट्वीट किया कि रूसी मीडिया यूक्रेन पर संलिप्तता का आरोप लगा रहा है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या यह संदेह उचित था।

मेडागास्कर में राष्ट्रपति चुनाव का पहला दौर 9 नवंबर और दूसरा दौर हुआ तो 20 दिसंबर को होगा

एंटानानारिवो । मेडागास्कर में राष्ट्रपति चुनाव का पहला दौर 9 नवंबर को होगा। मेडागास्कर के प्रधानमंत्री क्रिश्चियन एनत्से ने राजधानी एंटानानारिवो में एक कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने मंगलवार को कहा कि यदि दूसरा दौर होता है तो यह 20 दिसंबर को होगा। शांति और एकजुटता बनाए रखने के लिए मालागासी आबादी को धन्यवाद देते हुए एनत्से ने मतदाताओं से कैलेंडर द्वारा निर्धारित तारीखों पर मतदान करने का आह्वान किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने सभी राजनेताओं से यह तय करने के लिए राष्ट्रीय एकजुटता के सिद्धांतों का सम्मान करने का भी आह्वान किया कि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हों। उन?होंने कहा कि हमारे पास एक ऐसा राष्ट्रपति होना चाहिए जो अगले जनवरी में अपना कार्यकाल शुरू करेगा। राष्ट्रपति चुनाव की तारीखें स्वतंत्र राष्ट्रीय चुनाव आयोग द्वारा सरकार और उच्च संवैधानिक न्यायालय को 10 फरवरी को प्रस्तावित की गईं थीं। निवर्तमान राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना का कार्यकाल 19 जनवरी 2024 को समाप्त होने वाला है।

चीन ने जियोकान प्रांत से झयूक्यू 2 करियर रॉकेट छोड़ा। इस मीथेन लिक्विड ऑक्सीजन रॉकेट को चीनी कंपनी लैंडस्पेस ने बनाया था।

नाटो की आलोचना पर चीन के बिगड़े बोल, जानबूझकर किया बदनाम

बीजिंग । बीजिंग में नाटो ने जहां चीन को गुट के हितों को लेकर दी गई प्रतिक्रिया पर निशाना बनाया है वहीं चीन ने भी गुट के हितों व सुरक्षा को लेकर चुनौती दी है। नाटो ने इस आरोप पर पलटवार किया कि चीन गुट के हितों और सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है और उसने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपने पदचिह्न का विस्तार करने के लिए सैन्य गठबंधन के किसी भी प्रयास का विरोध किया। लिथुआनिया की राजधानी विनियस में दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के बीच में कड़े शब्दों में जारी एक विज्ञप्ति में नाटो ने कहा कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) ने अपनी महत्वाकांक्षाओं और जबरदस्ती नीतियों से उसके हितों, सुरक्षा और मूल्यों को चुनौती दी है। नाटो राष्ट्राध्यक्षों ने कहा कि पीआरसी अपने वैश्विक पदचिह्न और परियोजना शक्ति को बढ़ाने के लिए राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करती है, जबकि अपनी रणनीति, इरादों और सैन्य निर्माण के बारे में अपारदर्शी रहती है। नाटो के अनुसार पीआरसी के दुर्भावनापूर्ण हाइब्रिड और साइबर ऑपरेशन और इसकी टकरावपूर्ण बयानबाजी और दुष्प्रचार मित्र राष्ट्रों को निशाना बनाते हैं और गठबंधन की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाते हैं। यूरोप में चीनी मिशन ने एक बयान में कहा कि चीन-संबंधी सामग्री में बुनियादी तथ्यों की अनदेखी की गई है, चीन की स्थिति और नीतियों को विकृत किया गया है और जानबूझकर चीन को बदनाम किया गया है। चीन ने कहा कि हम इसका दृढ़ता से विरोध करते हैं और इसे अस्वीकार करते हैं। नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने शिखर सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि हालांकि चीन नाटो का प्रतिद्वंद्वी नहीं है, लेकिन वह अपने जबरदस्ती वाले व्यवहार से नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। उन्होंने कहा कि चीन तेजी से नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती दे रहा है।

जानलेवा बीमारी से पूरा देश परेशान, लकवा का रूप ले रही पैरों की झुनझुनी

-दक्षिणी अमेरिका के पेरू में लगानी पड़ी हेल्थ इमरजेंसी, 90 दिनों के लिए अलर्ट जारी

लीमा (एजेंसी)। दक्षिणी अमेरिकी इस समय एक खतरनाक बीमारी से परेशान है। इसके चलते यहां पर 90 दिनों की स्वाथ्य इमरजेंसी लगा दी गई है। जानकारी के अनुसार दक्षिणी अमेरिका के देश पेरू में एक खतरनाक बीमारी गुइलेन-बैरी सिंड्रोम ने दस्तक दी है। इस बीमारी से देशभर में इसके मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। जिसके बाद सोमवार को 90 दिनों की राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा की गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश में 165 मामलों की असामान्य वृद्धि देखी गई है, वहीं चार लोगों की इससे मौत हो गई है। बता दें कि पेरू ने इन बढ़ते मामलों को लेकर 27 जून को ही अलर्ट जारी किया था। गुइलेन-बैरी सिंड्रोम एक न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है, जिसमें शरीर का इम्यून सिस्टम हमारी तंत्रिकाओं पर हमला करता है। यह हाथों और पैरों में झुनझुनी और कमजोरी के साथ शुरू होता है, और तेजी से फैल सकता है। यहां तक कि शरीर को लकवा मार सकता है। इस स्थिति वाले अधिकांश लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता होती है। फिलहाल इस डिसऑर्डर का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चला है। रिपोर्टों से पता चला है कि दो-तिहाई रोगियों में पिछले छह सप्ताह में कोविड-19 या गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण या जीका वायरस के लक्षण देखे गए थे।

गुइलेन-बैरी सिंड्रोम के लक्षण की बात करें तो उंगलियों, पैर की उंगलियों, कलाइयों, या कभी-कभी बांहों और चेहरे में भी झुनझुनी महसूस होती है। पैरों में कमजोरी, चलने या सीढ़ियां चढ़ने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। चेहरे को हिलाने में कठिनाई होती है। रोगी को बोलने, चबाने या निगलने में काफी दिक्कतें होती हैं। इसमें पीड़ित को डबल दिखाई देता है। आंखों की पुतलियों को हिलाने में भी समस्याएं होती हैं। शरीर में ऐंठन जैसा महसूस हो सकता है। सांस लेने में कठिनाई और हार्ट बीट तेज होना। ये प्रमुख लक्षण बताए गए हैं। हालांकि गुइलेन-बैरी सिंड्रोम के तीन रूप हैं, एक्यूट इंफ्लेमेटरी डिमाइलेटिंग पॉलीरेडिकुलोन्यूरोपैथी (एआईडीपी), मिलर फिशर सिंड्रोम और एक्यूट मोटर एक्सोनल न्यूरोपैथी। एक्यूट इंफ्लेमेटरी डिमाइलेटिंग पॉलीरेडिकुलोन्यूरोपैथी (एआईडीपी) उत्तरी अमेरिका और यूरोप में पाया जाने वाला सबसे आम रूप है।

उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की बैलेस्टिक मिसाइल दागी, उपजा तनाव

सोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की एक बैलेस्टिक मिसाइल दागी है, जिसके कारण तनाव की स्थिति बन गई है। इसे लेकर दक्षिण कोरियाई सेना ने दावा किया है कि उत्तर कोरिया ने बुधवार को पूर्वी सागर की ओर एक संदिग्ध लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागी। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी जासूसी विमान संचालन के खिलाफ प्योंगयांग के आरोपों के बाद उत्पन्न तनाव के बीच यह दावा किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उसने स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे प्योंगयांग या उसके आसपास के क्षेत्र से प्रक्षेपण का पता लगाया है। जेसीएस ने कहा कि अपनी निगरानी और सतर्कता को मजबूत करते हुए, हमारी सेना संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ घनिष्ठ सहयोग में पूर्ण तत्परता बरत रही है। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया ने इससे पहले लंबी दूरी की मिसाइल का अंतिम प्रक्षेपण 13 अप्रैल को किया था, जब उसने ह्वासोंग-18 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी जिसमें ठोस-ईंधन का इस्तेमाल किया जाता है। सोमवार और मंगलवार को, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन की शक्तिशाली बहन किम यो-जोंग ने तीखे बयान जारी कर दावा किया कि अमेरिकी सैन्य जासूसी विमान ने उत्तर के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में घुसपैठ की। मामले को भांपते हुए किम यो-जोंग ने चेतावनी दी कि उत्तर अपने आर्थिक जल क्षेत्र के भीतर अमेरिकी निगरानी उड़ानों के खिलाफ स्पष्ट और दृढ़ कार्रवाई करेगा जो एक चौंकाने वाली घटना हो सकती है। इधर दक्षिण कोरियाई सेना ने उनकी टिप्पणियों को खारिज कर दिया है और कहा है कि ईईजेड में नेविगेशन और ओवरफ्लाइट की स्वतंत्रता सुनिश्चित की गई है। उत्तर कोरिया की ओर से कथित मिसाइल लॉन्चिंग ऐसे समय में हुई है जब इस सप्ताह कई उच्च स्तरीय वैश्विक राजनयिक और सुरक्षा बैठकें हो रही हैं। इसमें लिथुआनिया में नाटो शिखर सम्मेलन और इंडोनेशिया में आसियान क्षेत्रीय मंच की बैठक शामिल हैं।

अमेरिका का दावा, भारत ही रुकवा सकता है यूक्रेन-रूस की लड़ाई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। वाशिंगटन (ईएमएस)। अमे?रिका ने दावा ?किया है ?कि भारत मध्यस्थता करके यूक्रेन व रूस की लड़ाई को रुकवा सकता है। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन के बीच पिछले एक साल से जारी युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसके लिए भारत से मध्यस्थता को लेकर अमेरिका ने एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। अमेरिकी के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भारत सहित कोई भी देश अगर यूक्रेन में शांति बहाल करने में भूमिका निभा सकता है तो उसका अमेरिका स्वागत करता है। दरअसल, जब मिलर से सवाल किया गया कि क्या भारत या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस और यूक्रेन के बीच लंबे संघर्ष को समाप्त करने में भूमिका निभा सकते हैं तो मिलर ने कहा, 'भारत या कोई अन्य देश, जो भी यूक्रेन की अखंडता और संप्रभुता को ध्यान में रखते हुए रूस के साथ चल रहे संघर्ष को खत्म करा सकता है तो उसका हम स्वागत करते हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मिलर ने दावा किया कि यूक्रेन के साथ युद्ध करना रूस के लिए एक रणनीतिक विफलता रहा है। मिलर ने कहा कि युद्ध के चलते रूस को सैन्य कर्मियों और उपकरणों का नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका संघर्ष की शुरुआत से यूक्रेन को मिले अंतरराष्ट्रीय समर्थन का स्वागत करता है। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष पर मिलर ने कहा कि यह युद्ध रूस के लिए एक रणनीतिक विफलता रही है, जिसमें सैन्य कर्मियों और सैन्य उपकरणों दोनों का भारी नुकसान हुआ है। मिलर ने दावा किया कि रूस ने दुनिया में अपनी स्थिति को प्रभावित होते देखा है। अमेरिका द्वारा रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों और निर्यात नियंत्रणों के कारण रूस की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि संघर्ष की शुरुआत से यूक्रेन को मिले अंतरराष्ट्रीय समर्थन का हम स्वागत करते हैं। गौरतलब है कि इससे पहले, जून में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन में संघर्ष पर चिंता व्यक्त की थी और इसके भयानक और दुखद मानवीय परिणामों पर शोक व्यक्त किया था।

भारत-अमेरिका के मजबूत होते रिश्तों से चीन हुआ परेशान

-सरकार की तरफ से मंजूरी में देरी होने से चिप कंपनी फॉक्सकॉन पर उठाए सवाल

बीजिंग (एजेंसी)। भारत के साथ अमेरिका के मजबूत होते रिश्तों के कारण चीन परेशान हो रहा है। यही वजह है कि ताइवान की चिप कंपनी को भारत सरकार द्वारा मंजूरी में देरी होने पर चीनी मीडिया ने भारत को नसीहत देनी शुरू कर दी है। बता दें कि ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन ने भारत में चिप मैन्युफैक्चरिंग से हाथ खींचने का ऐलान क्या किया, चीन को तंज कसने का एक और बहाना मिल गया। इस बात से बेफिक्र कि कंपनी एक नई तरह से भारत में चिप मैन्युफैक्चरिंग की योजना बना रही है, इस पर चीन के मीडिया ने अपनी राय दे डाली है। मीडिया में आई खबर के अनुसार हाई-एंड मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भारत को एक बड़ा झटका लगा है। भारत में मैन्युफैक्चरिंग के लिए न केवल सरकार की महत्वाकांक्षा की जरूरत है, बल्कि औद्योगिक योजना की भी जरूरत है जो उसकी अपनी परिस्थितियों के अनुकूल हो। अगर उसके आर्टिकल में वह वजह भी सामने आ गई है जो भारत-अमेरिका के मजबूत होते रिश्तों की वजह से परेशानी से जुड़ी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत सरकार की तरफ से मंजूरी में देरी की वजह से फॉक्सकॉन की चिंताएं बढ़ रही थीं। लेकिन इसने प्लांट से हाथ क्यों पीछे खींचे, ये वजहें स्पष्ट नहीं हैं। लेकिन फिर भी यह नया घटनाक्रम घरेलू चिप निर्माण योजनाओं को आगे बढ़ाने में भारत के सामने मौजूद कठिनाइयों को सामने लाता है। मीडिया की खबर के अनुसार कई सालों की कोशिशों के बाद भारत की सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की प्लानिंग अभी भी सिर्फ कागज पर ही है। जबकि अमेरिका स्थित माइक्रोन टेक्नोलॉजी ने अभी घोषणा की है कि वह भारत में एक चिप पैकेजिंग प्लांट बनाएगी। इसके लिए 2.75 अरब डॉलर की लागत में 70 फीसदी सब्सिडी भी दी जाएगी। रिपोर्ट की मानें तो पिछली योजनाओं में लगातार असफलताओं ने देश की उच्च-स्तरीय विकास करने की क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार भले ही भारत सरकार ने कहा हो कि साल 2020 में 15 अरब डॉलर वाला भारत का सेमीकंडक्टर बाजार साल 2026 तक 63 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा लेकिन उसकी यह महत्वाकांक्षा वास्तविकता से परे लगती है। रिपोर्ट ने इसके पीछे विदेशी निवेश पर निर्भरता को बड़ी वजह बताया है। क्योंकि टेक्नोलॉजी से लेकर प्रतिभा और अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम इंडस्ट्रीयल सीरीज के मामले में भारत के पास चिप निर्माण में कोई आधार नहीं है। शायद भारत सरकार का मानना है कि विदेशी निवेश अपने आप चिप मैन्युफैक्चरिंग में मदद कर सकता है। सिर्फ इतना ही नहीं चीन ने अपारदर्शी कारोबारी माहौल और व्यापक औद्योगिक विकास योजना की कमी तक को भारत के सपने टूटने की वजह बता डाला।

सोलोमन द्वीप ने किया चीन से समझौता तो, ऑस्ट्रेलिया की बढ़ी चिंताएं

-ताइवान को दगा देने के बाद चीन से पुलिस समझौते पर किए हस्ताक्षर

बीजिंग (एजेंसी)। प्रशांत महासागर के एक छोटे से देश सोलोमन द्वीप ने चीन से पुलिस समझौते पर करार किया है। हालांकि इसके पहले उसने सुरक्षा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए थे। इससे आस्ट्रेलिया समेत प्रशांत महासागर के अनेक देशों की चिंताएं गढ़ गई हैं। इसकी सबसे बड़ी बात यह है कि सोलोमन द्वीप समूह के चार साल पहले तक चीन नहीं बल्कि उसके सबसे बड़े दुश्मन ताइवान के साथ राजनयिक संबंध थे। तब सोलोमन द्वीप समूह ताइवान को एक स्वतंत्र देश के तौर पर मान्यता देता था। लेकिन, पिछले चार साल में चीन और सोलोमन द्वीप समूह के संबंधों ने एक नया इतिहास लिखा है। चीन और सोलोमन द्वीप समूह ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तौर पर विकसित करने के लिए पुलिस सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता उन नौ समझौतों में से एक था, जिस पर सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्री मनश्शे सोगावरे ने बीजिंग में चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात के दौरान साइन किया। इन समझौतों को सोलोमन की स्वतंत्र विदेश नीति के अंतिम फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। बता दें कि रविवार को ही सोगावरे ने चीन और सोलोमन द्वीप समूह के बीच 2022 में सुरक्षा समझौता किया था। इस समझौते ने अमेरिका और ऑस्ट्रेलिय समेत प्रशांत महासागर के कई देशों की चिंताओं को बढ़ा दिया था। इस संबन्ध में चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने बताया कि केवल चार वर्षों में चीन और सोलोमन द्वीप के बीच संबंध तेजी से विकसित हुए हैं, और अब हम कह सकते हैं कि यह बहुत उपयोगी है। बदले में, सोगावारे ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने में चीन की भूमिका के लिए उसे धन्यवाद दिया और कहा कि उनके देश को चीन के अनुभव से बहुत कुछ सीखना है। गौरतलब है कि सोगावारे 2019 में सोलोमन द्वीप समूह में सत्ता में आए थे। इसके बाद से ही उन्होंने राजनयिक संबंधों को ताइवान के बदले चीन से बदल दिया था। ऐसा दावा किया जाता है कि सोगावारे की जीत में चीन का हाथ था। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रवक्ता ने कहा कि वाशिंगटन अपने लोगों के सर्वोत्तम हित में संप्रभु निर्णय लेने के लिए राष्ट्रों की क्षमता का सम्मान करता है। जानकारी के अनुसार पिछले महीने सोगावारे ने ऑस्ट्रेलिया के साथ 2017 की सुरक्षा संधि की समीक्षा का आह्वान किया था, जिसने ऐतिहासिक रूप से सोलोमन द्वीप को पुलिस सहायता प्रदान की है। 2021 में जब सोलोमन द्वीप समूह में भीषण दंगे हुए थे, तब ऑस्ट्रेलिया ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहायता के लिए अपने देश की पुलिस को तैनात किया था। हालांकि, अब सोलोमन द्वीप की पुलिस चीन से ज्यादा ट्रेनिंग ले रही है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार चीन अपनी कानून प्रवर्तन क्षमता बढ़ाने के लिए सोलोमन द्वीप को सहायता प्रदान करना जारी रखेगा। इस संबन्ध में सोगावारे ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात की और दोनों एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने पर सहमत हुए। शी ने सोगावारे को बताया कि चीन सोलोमन द्वीप में निवेश करने वाली अपनी अधिक कंपनियों का समर्थन करता है और बिना किसी राजनीतिक बंधन के आर्थिक और तकनीकी सहायता प्रदान करना जारी रखेगा।

बडगाम में लश्कर के पांच आतंकवादी सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर बडगाम जिले में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े पांच आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। जिले के खाग इलाके में पुलिस ने सेना के साथ मिलकर पांच आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान भटंगन खाग निवासी रउफ अहमद वानी, बथिपोरा खाग निवासी हिलाल अहमद मलिक, नवरोज़ बाबा खाग निवासी तौफीक अहमद डार, डार मोहल्ला नवरूज़ बाबा खाग निवासी दानिश अहमद डार और बठिपोरा खाग के शौकत अली डार के रूप में की गई है। पुलिस ने कहा, उनके कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। सभी बरामद सामग्री को आगे की जांच के लिए केस रिकॉर्ड में ले लिया गया है।

अब तक 1.37 लाख तीर्थयात्रियों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किये

श्रीनगर । 1 जुलाई को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के पहले 11 दिन में अब तक 1.37 लाख तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों ने कहा कि मंगलवार को 18 हजार से अधिक यात्रियों ने पवित्र गुफा के दर्शन किए, जबकि 6554 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था बुधवार सुबह जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग बंद रहने के कारण जम्मू से घाटी तक तीर्थयात्रा अवरुद्ध रही है। फंसे हुए वाहनों और अमरनाथ यात्रियों को निकालने के लिए इस मार्ग पर यातायात फिर से शुरू किया गया है। यात्री या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से हिमालय गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं। पहलगाम आधार शिविर से 43 किलोमीटर की चढ़ाई होती है, जबकि बालटाल आधार शिविर से 13 किलोमीटर की चढ़ाई होती है। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में 3-4 दिन लगते हैं। वहीं बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर दर्शन करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौट आते हैं। इन दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं। गुफा मंदिर में एक बर्फ की संरचना है, जिसके बारे में भक्तों का मानना है कि यह भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। बर्फ के स्टैलेग्माइट की संरचना चंद्रमा की कलाओं के साथ घटती और बढ़ती रहती है। इस वर्ष की 62 दिवसीय अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू हुई थी जो 31 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा उत्सव के साथ समाप्त होगी। तीर्थयात्रियों को ऊंचाई पर होने वाली बीमारियों से बचाने के लिए अधिकारियों ने यात्रा के दोनों मार्गों पर स्थापित किए गए लंगर में जंक फूड पर बैन लगा दिया है।

दक्षिण अफीका से लाए गए चीता तेजस की मौत से कूनो में मचा हड़कंप

भोपाल । दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीता तेजस की मौत हो गई है। वह कूनो नेशनल पार्क के एक बाड़े में अकेला ही था। चीता की मौत पर यहां हड़कंप मच गया है, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों में अब तक तेजस को मिलाकर कुल सात चीतों की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क से एक बार फिर बुरी खबर आई है क्योंकि यहां एक और चीते ने दम तोड़ दिया है। इस तरह अब तक यहां सात चीतों की मौत हो चुकी है। वन विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों में से एक जिसका नाम तेजस है, जो बेहोशी की हालत में मिला था। इसे मॉनिटरिंग टीम उपचार के लिए लेकर आई और उसका इलाज भी किया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। बताया जा रहा है कि तेजस नाम के चीते की गर्दन के ऊपर चोट के निशान मिले हैं। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आखिर उसे चोट लगी कैसे, क्योंकि जिस बाड़े में वह था, उसमें वह अकेला ही था, उसके अलावा बाड़े में कोई दूसरा चीता नहीं है, झगड़ा किससे होता। इस तरह से संदेह बना हुआ है कि कहीं तेज का शिकार तो नहीं किया गया है।

प्राइवेट स्कूलों के टीचर्स को भी सरकारी के बराबर सैलरी मिलनी चाहिए : कोर्ट

नई दिल्ली । प्राइवेट स्कूल के टीचरों को भी सरकारी स्कूल के टीचर के बराबर सैलरी तथा सुविधाएं मिलनी चाहिए। इसे लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि गैर सहायता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों के टीचर्स सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वालों के समान वेतन और लाभ के हकदार हैं। कोर्ट ने यह टिप्पणी सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार अपने टीचरों को वेतन देने के हाई कोर्ट की सिंगल बेंच के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करते हुए की। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम की धारा 10 में प्रावधान है कि किसी मान्यता प्राप्त निजी स्कूल के वेतन और भत्ते, मेडिकल सुविधाएं, पेंशन, ग्रेच्युटी, भविष्य निधि और अन्य निर्धारित लाभ का पैमाना सरकारी स्कूल में उसके कर्मचारियों से कम नहीं होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि शिक्षा निदेशालय ने 17 अक्टूबर, 2017 को एक अधिसूचना में निर्देश दिया था कि सभी मान्यता प्राप्त स्कूल सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करेंगे। इस मामले में जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मिनी पुष्कर्णा की बेंच ने कहा कि स्कूल अपनी वैधानिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकते और कानून के अनुसार वैधानिक बकाया का भुगतान करने के लिए बाध्य हैं। कोर्ट ने कहा था कि टीचर एक जनवरी, 2016 से बकाया भुगतान के हकदार हैं। सातवें केंद्रीय वेतन आयोग का लाभ स्कूल द्वारा नहीं दिए जाने पर अपीलकर्ता स्कूल के तीन शिक्षकों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इस पर एकल जज की पीठ ने दिसंबर 2021 में पारित अपने फैसले में स्कूल को सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के प्रावधानों के तहत शिक्षकों को वेतन एवं अन्य लाभ देने का निर्देश दिया था।

नाबालिग की सहमति से यौन संबंध बनाना रेप नहीं : हाई कोर्ट

कटक । नाबालिग की सहमति से यौन संबन्ध बनाना रेप नहीं है। यह कथन उड़ीसा हाईकोर्ट के उस निर्णय पर सही बैठ रहा है जिसमें आज एक 45 वर्षीय शख्स को बरी किया गया है। सहमति से शारीरिक संबंध बनाने की उम्र कम करने पर बहस के बीच, ओडिशा हाई कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। वह शख्स 10 साल से जेल में बंद था। उसके ऊपर नाबालिग से रेप का आरोप लगा था। हालांकि कोर्ट में पीड़िता ने बयान दिया कि सेक्स उसकी सहमति से हुआ था। तब पीड़िता 17 साल की थी। कोर्ट ने युवती के बयान पर कहा कि आरोपी को दोषी ठहराने के लिए रेकॉर्ड पर मौजूद सबूतों से रेप साबित नहीं हुआ था। इस संबन्ध में न्यायमूर्ति एसके साहू ने कहा कि मामले के रेकॉर्ड से ऐसा प्रतीत होता है कि लड़की उस समय 17 वर्ष की थी। वह अपनी मर्जी से आरोपी के साथ जंगलों में जाती थी और हर दिन उसके साथ यौन संबंध बनाती थी। हाई कोर्ट ने कहा कि लड़की यह अच्छी तरह से जानती थी कि शख्स शादीशुदा है। उसके चार बच्चे भी हैं। उसने सहमति से शारीरिक संबंध बनाए। जब तक वह गर्भवती नहीं हुई, उसने कभी कोई आपत्ति नहीं की और न ही इस बारे में किसी को बताया। जस्टिस साहू ने फैसले में कहा कि आरोपी ने कभी उससे शादी करने का वादा नहीं किया। वह यह भी जानती थी कि आरोपी के साथ शादी संभव नहीं थी क्योंकि वह एक शादीशुदा और बच्चों वाला व्यक्ति था। इसलिए, मेरे विनम्र विचार में यह एक सहमति वाला काम था। दरअसल लड़की के पिता ने शख्स के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पांच साल बाद 14 अगस्त, 2018 को सुंदरगढ़ की अतिरिक्त सत्र अदालत ने शांतनु कौड़ी को बलात्कार का दोषी ठहराया था। इस फैसले को कौडी ने 2019 में हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। अदालत ने कहा कि अगर पीड़िता यह कहती है कि उसकी मर्जी से शारीरिक संबंध बने, ऐसे में इसे रेप नहीं कहा जा सकता है। हालांकि, अदालत ने फैसला सुनाया कि लड़की को दी गई मुआवजे की रकम उससे वसूलने की जरूरत नहीं है।

गोवा सरकार ने केंद्र को भेजी 930 करोड़ रुपये की परियोजना रिपोर्ट

पणजी । गोवा सरकार ने केन्द्र को 930 करोड़ रुपये के प्रस्तावों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भेजी है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने इस आशय की जानकारी देते हुए कहा है कि गोवा सरकार ने वित्त पोषण के लिए केंद्र सरकार मांग की है, जिसमें 930 करोड़ रुपये के प्रस्तावों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट लगाई है। मुख्यमंत्री ने एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों से कहा कि विभिन्न सुधारों के बीच गोवा की वित्तीय हालत अच्छी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य में लागू किये जाने वाले 930 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रस्तावों के लिये केंद्र सरकार को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट सौंपी है।

कमलनाथ का बीजेपी सरकार पर तंज, कहा-

मध्य प्रदेश में न तो चीता, न महिलाएं, न ही आदिवासी समुदाय संरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। अब, ऐसा लगता है कि विपक्षी कांग्रेस को भाजपा पर मज़ाक उड़ाने का एक मुद्दा मिल गया है। भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश में न तो चीते सुरक्षित हैं, न महिलाएं और न ही आदिवासी समुदाय सुरक्षित हैं। इस साल होने वाले चुनाव को लेकर दोनों दल अपनी तौयारियों में जुटे हुए हैं। यही कारण है कि वार-पलटवार भी खूब हो रहा है।

कमलनाथ ने क्या कहा

पत्रकारों से बातचीत में कमलनाथ ने कहा कि हर क्षेत्र में 'अराजकता' है। कुनो राष्ट्रीय उद्यान में स्थानांतरित चीते की हाल ही में हुई मौत के बारे में पूछे जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'न तो चीता, न महिलाएं, न ही आदिवासी समुदाय यहां संरक्षित हैं। केवल ठेकेदारों और भ्रष्टाचारियों को संरक्षित किया जाता है।÷ उन्होंने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि चाहे चीतों का मसला हो या आदिवासियों का, (सुरक्षा की) उचित व्यवस्था कहां है। यह देखकर बहुत दुःख होता है कि मध्य प्रदेश को किस दिशा में घसीटा जा रहा है। इससे पहले मंगलवार (11 जुलाई) को मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में एक और नर चीता तेजस की मौत हो गई थी।

सरकार चर्चा को तैयार नहीं

इसके साथ ही कमलनाथ ने शिवराज सिंह चौहान की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 2 दिन भी नहीं चला, कल कुछ घंटे सत्र चला और आज कुछ घंटे सत्र चला। हमारी मांग थी कि आदिवासियों पर हो रहे अत्याचारों पर स्थगन प्रस्ताव लाया जाए लेकिन शिवराज सरकार सदन में चर्चा के लिए ही तैयार नहीं है। महाकाल लोक में हुए भ्रष्टाचार, सतपुड़ा भवन में हुए अग्निकांड, महंगाई, बेरोजगारी एवं पूरे प्रदेश में अव्यवस्था। शिवराज सरकार किसी भी चीज़ पर चर्चा करने को तैयार नहीं है।

फडणवीस ने ठाकरे को सलाह दी...जाकर मनोचिकित्सक से परामर्श ले

मुंबई । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे की कलंक वाली टिप्पणी पर पलटवार किया है। फडणवीस ने कहा कि, ऐसा लगता है कि मौजूदा राजनीतिक स्थिति के कारण शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख को मनोरोग उपचार की जरूरत है। दरअसल नागपुर में उद्धव ने कहा था, भाजपा नेता फडणवीस नागपुर पर एक 'कलंक' हैं, क्योंकि उन्होंने कहा था कि वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ गठबंधन नहीं करुंगा, लेकिन फिर भी उन्होंने ऐसा किया। ठाकरे की टिप्पणी पर फडणवीस ने कहा, विपक्षी और पूर्व मित्र (ठाकरे) को वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम के प्रभाव का सामना करते हुए देखकर मुझे दुख होता है। मुझे लगता है कि उन्हें मनोचिकित्सक से परामर्श लेने की आवश्यकता है। फडणवीस ने कहा, जो व्यक्ति अपनी वर्तमान मनोवैज्ञानिक स्थिति के कारण आरोप लगाता है, उस पर प्रतिक्रिया देना अनुचित है। उनकी वर्तमान मानसिक स्थिति ऐसी है कि हमें इस समझने का प्रयास करना चाहिए। वह जो कह रहे हैं उस पर प्रतिक्रिया न देना ही बेहतर है। उन्होंने दावा किया कि संजय राउत और अनिल परब जैसे प्रमुख शिवसेना (यूबीटी) नेताओं को भाजपा के द्वारा परेशान किया जा रहा है। राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़े बदलाव के तहत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता अजित पवार और उनके आठ सहयोगी दो जुलाई को एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे, जिससे शरद पवार की स्थापित पार्टी राकांपा विभाजित हो गई। अजित पवार को उपमुख्यमंत्री बनाया गया, जबकि अन्य को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई।

परिवारवाद के आरोपों पर भड़कते हुए उमर अब्दुल्ला बोले-

अपने बेटे-बेटियों को समायोजित करने वाले बीजेपी नेता जरा गिरेबां में झांकें

जम्मू (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की सियासत इन दिनों काफी गर्मायी हुई है क्योंकि एक ओर जहां उच्चतम न्यायालय में अनुच्छेद 370 को हटाये जाने के खिलाफ दायर की गयी याचिकाओं पर 2 अगस्त से प्रतिदिन सुनवाई होना तय हो गया है तो वहीं अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों को देखते हुए सभी राजनीतिक दलों ने भी अपने-अपने चुनाव अभियान को तेज कर दिया है। इस कड़ी में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला इन दिनों जम्मू-कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। दौरे के तहत जब वह जम्मू पहुँचे तो उन्होंने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। साथ ही उमर ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के साथ ही जम्मू-कश्मीर विधानसभा का चुनाव कराने की वकालत करते हुए कहा कि लोगों को राजभवन के माध्यम से शासित होने के बजाय निर्वाचित सरकार चुनने का अवसर चाहिए। उन्होंने राजनीति में 'परिवारवाद' का भी बचाव किया और गृह मंत्री अमित शाह की उस टिप्पणी पर सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद से संबंधित मौतों के लिए तीन परिवार- नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां), पीपुल्स डेमोक्रेटिव पार्टी (पीडीपी) और कांग्रेस जिम्मेदार हैं। अब्दुल्ला ने कहा, ''मुझे प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) से कोई शिकायत नहीं है, जो एक बड़े आदमी हैं और मुझसे उम्र में बड़े भी हैं। मुझे (मेरे खिलाफ उनकी टिप्पणियों को लेकर) कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि उन्हें विधानसभा चुनाव की घोषणा करनी चाहिए और हम देखेंगे कि जनता किसे वोट देती है।''

विधानसभा चुनाव की वकालत

वह मोदी की उस टिप्पणी के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि ''यदि आप अब्दुल्ला के उत्तराधिकारियों की उन्नति चाहते हैं, तो नेकां के पक्ष में मतदान करें। परंतु आप अपने बेटे, बेटी और पोते-पोतियों की प्रगति चाहते हैं, तो भाजपा को वोट दें।'' अब्दुल्ला ने वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में लागू उपराज्यपाल शासन का संदर्भ देते हुए कहा, ''आप (प्रधानमंत्री) लोगों को मौका नहीं दे रहे हैं...चुनाव होने दीजिए, नतीजे आपके सामने होंगे कि वे नेकां को पसंद करते हैं या नहीं। हम उनमें से नहीं हैं जो राजभवन के जरिए लोगों पर शासन कर रहे हैं।''

जम्मू में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा, ''आपको संसदीय चुनाव (अगले साल) कराने हैं, इसके साथ विधानसभा चुनाव (जम्मू-कश्मीर में) भी होने दीजिए। हमें मौका दीजिए, हम देखेंगे कि कौन सही है और कौन गलत है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा विधानसभा चुनाव हारने से डर रही है और जानबूझकर चुनाव में देरी कर रही है।

परिवारवाद के आरोपों पर प्रतिक्रिया

पार्टी पर परिवारवाद अपनाने के आरोप पर उन्होंने कहा कि देश में वामपंथियों को छोड़कर ऐसी कोई पार्टी नहीं है, जिसमें परिवारवाद न हो। अब्दुल्ला ने कहा, 'भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने अपने बेटे-बेटियों को कहीं न कहीं समायोजित कर लिया है। फर्क सिर्फ इतना है कि हम इसे छिपाते नहीं हैं और स्वीकार कर लेते हैं। हमारी राजनीतिक पृष्ठभूमि है और हमें अपना रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने पेश करना होगा जो या तो हमें स्वीकार करेगी या अस्वीकार करेगी। यह लोकतंत्र है और सभी को चुनाव में भाग लेने का अधिकार है।'' उन्होंने कहा, ''अगर मैं एक राजनीतिक परिवार से हूं तो इसका मतलब यह नहीं है कि मेरे लिए राजनीति में कोई जगह नहीं है। यह मेरा अधिकार है और मैं राजनीति में हूं।''

उमर खालिद की यचिका पर सुनवाई 24 जुलाई को

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र उमर खालिद की गैर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) से जुड़े मामले में जमानत याचिका पर 24 जुलाई को सुनवाई करेगा। यह मामला दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों की कथित साजिश से जुड़ा है। दिल्ली पुलिस ने न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना एवं न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ के समक्ष मामले की सुनवाई के दौरान याचिका पर जबाव देने के लिए कुछ वक्त की मोहलत मांगी। दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अधिवक्ता रजत नायर ने पीठ से अनुरोध किया कि उन्हें मामले में जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए कुछ वक्त दिया जाए। खालिद की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा, '' जमानत के मामले में क्या जबाव दाखिल करना है। व्यक्ति दो वर्ष 10 माह से जेल में है।''

इस पर नायर ने कहा कि वह मामले में जवाब दाखिल करने के लिए थोड़ा वक्त मांग रहे हैं। उन्होंने पीठ से 'उचित वक्त' दिए जाने का अनुरोध कर कहा, '' आरोप पत्र विशालकाय हैं। ये हजारों पन्नों के हैं।'' पीठ ने कहा, इस आज तैयार होना चाहिए था।'' इसके साथ ही पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 24 जुलाई की तारीख मुकर्रर की।

सुप्रीम कोर्ट ने खालिद की जमानत याचिका पर 18 मई को दिल्ली पुलिस से जवाब दाखिल करने को कहा था। अपनी अपील में खालिद ने जमानत से इनकार के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। पिछले वर्ष 18 अक्टूबर को उच्च न्यायालय ने यह कहते हुए खालिद की जमानत याचिका खारिज कर दी थी कि वह अन्य सह-आरोपियों के लगातार संपर्क में था और उसके ऊपर लगे आरोप प्रथम दृष्टया सही नजर आते हैं।

राहुल गांधी नये घर में जल्द होंगे शिफ्ट, शीला दीक्षित का है मकान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नया घर मिल गया है। अब वे शीला दीक्षित के मकान में जल्दी ही शिफ्ट होने वाले हैं। यह मकान दक्षिण दिल्ली के निज़ामुद्दीन ईस्ट बी2 इलाके में है जिसे वह किराए पर ले रहे हैं। जानकारी के अनुसार दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का परिवार उस घर का मालिक है, जहां उन्होंने अपने अंतिम वर्ष बिताए थे। एक सांसद के रूप में अयोग्य ठहराए जाने के बाद राहुल गांधी को अपना आधिकारिक बंगला छोड़ने के लिए कहे जाने के कुछ महीनों बाद वे बंगला छोड़कर अपनी मां के पास रह रहे थे। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को लोकसभा से अयोग्य ठहराए जाने के बाद, राहुल गांधी ने अपना आधिकारिक बंगला छोड़ दिया था और अस्थायी रूप से अपनी मां के साथ रहने लगे, लेकिन वह एक नए घर की तलाश में थे। फिलहाल इस घर में शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित रह रहे थे, लेकिन अब वे इसके पास ही स्थित अपनी मौसी के घर में शिफ्ट हो जाएंगे। राहुल को यह घर काफी पसंद आया है। राहुल गांधी ने किराए पर इसमें शिफ्ट होने पर सहमति भी जताई है। 1,500 वर्ग फुट का यह घर 16वीं शताब्दी के मुगल मकबरे, हुमायूं के मकबरे के सामने दिखता है। 13वीं सदी के सूफी संत ख्वाजा निज़ामुद्दीन औलिया की दरगाह घर से कुछ सौ मीटर की दूरी पर है।

अपराधियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा कर्नाटक, राजीव चंद्रशेखर बोले- जैन मुनि की हत्या चौंकाने वाली है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि जैन मुनि कामकुमार नंदी महाराज की हत्या चौंकाने वाली है... बीजेपी के बार-बार विरोध प्रदर्शन के बाद ही पुलिस और सरकार का हरकत में आना यह दर्शाता है कि कर्नाटक निश्चित रूप से धीरे-धीरे इस प्रकार के अपराधों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। जैन मुनि अहिंसा के लिए जाने जाते हैं। कर्नाटक इस तरह के अपराधियों की सुरक्षित पनाहगाह बनता जा रहा है।

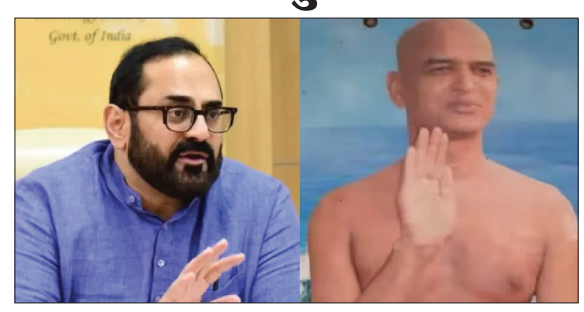

बीजेपी ने किया प्रदर्शन

बेलगावी में जैन मुनि आचार्य श्री कामकुमार नंदी महाराज की निर्मम हत्या के खिलाफ विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के विधायकों ने यहां विधान सौध में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास धरना प्रदर्शन किया। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के नेतृत्व में विधायकों ने प्रतिमा के पास बैठकर राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति के खिलाफ नारे लगाए। भाजपा ने कहा कि जब से मई में कांग्रेस दल सत्ता में आया है, जानी मानी हिंदू हस्तियों की हत्याएं शुरू हो गई हैं और जैन मुनि की हत्या इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। विपक्षी दल ने निष्पक्ष जांच की जरूरत बताते हुए इस हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग की है।

क्या है पूरा मामला

बेलगावी जिले के एक जैन भिक्षु, आचार्य श्री कामकुमार नंदी महाराज, पिछले गुरुवार से दो दिनों से अधिक समय से लापता होने की सूचना मिली। दो दिन बाद उसका क्षत-विक्षत शव बेलगावी के चिक्कोडी तालुक में एक बोरवेल में मिला। बताया गया है कि साधु पिछले 15 वर्षों से नंदी पर्वत जैन बसदी में रह रहे थे। 08 जुलाई को बसदी भीमप्पा उगारे के प्रबंधक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि साधु लापता हो गए हैं। हत्या के मामले में बेलगावी पुलिस ने अब तक दो लोगों को हिरासत में लिया है।

तीन माह में 18 'सेफ सिटी' वाला देश का पहला राज्य होगा उत्तर प्रदेश: मुख्यमंत्री योगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के सभी 17 नगर निगमों और गौतमबुद्ध नगर को 'सेफ सिटी' (सुरक्षित शहर) के रूप में विकसित करने के निर्देश देते हुए मंगलवार को कहा कि अगले तीन महीनों के अंदर उत्तर प्रदेश 18 सेफ सिटी वाला देश का पहला राज्य होगा। मुख्यमंत्री ने गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर प्रदेश में 'सेफ सिटी' परियोजना के विस्तार की कार्ययोजना का जायजा लिया। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि आदित्यनाथ ने पहले चरण में राज्य के सभी 17 नगर निगमों और गौतमबुद्ध नगर को सेफ सिटी के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

साथ ही कहा कि अगले तीन माह के अंदर पहले चरण का काम पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि पहले चरण के कार्य के दौरान संबंधित विभाग को दी गई जिम्मेदारी तय समय सीमा के अंदर पूरी की जाए और मुख्य सचिव इसकी पाक्षिक समीक्षा करें। आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस परियोजना के दूसरे चरण में 57 जनपद मुख्यालयों की नगर पालिकाओं और तीसरे चरण में 143 नगर पालिकाओं को 'सेफ सिटी' परियोजना से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी नगरों के प्रवेश द्वार पर सेफ सिटी का बोर्ड लगाकर इसकी 'विशिष्ट ब्रांडिंग' भी की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेफ सिटी परियोजना महिलाओं की सुरक्षा पर केंद्रित है।

इसे विस्तार देते हुए बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांगजनों की सुरक्षा से भी जोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से प्रदेश में लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत आधुनिक नियंत्रण कक्ष, पिंक पुलिस बूथ, आशा ज्योति केंद्र, सीसीटीवी कैमरे, महिला पुलिस थानों में परामर्शदाताओं के लिए सहायता डेस्क, बसों में 'पैनिक बटन' और अन्य सुरक्षा उपाय लागू किए जाएंगे। इस परियोजना के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों व दिव्यांगजनों के लिए एक सुरक्षित, संरक्षित एवं सशक्त वातावरण बनाने की मुहिम को आवश्यक तेजी मिलेगी। आदित्यनाथ ने कहा कि सेफ सिटी पोर्टल को भी विकसित किया जाए। इससे ऐसे सभी विभागों को जोड़ा जाए, जिनके द्वारा महिला, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के हित में कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

विधर्मी युवक ने हिन्दू युवती से दुष्कर्म किया, आरोपी को गिरफ्तार जांच में जुटी पुलिस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लव, सेक्स और धोखा की एक घटना सामने आई है, जिसमें विधर्मी युवक ने हिन्दू युवती को शादी की लालच देकर अनेकों बार दुष्कर्म किया। लेकिन युवती जब गर्भवती हो गई तो विधर्मी युवक ने शादी करने से इंकार कर दिया। आखिरकार पीड़ित युवती ने कानून की शरण ली। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के दाणीलीमडा पुलिस थाने में पीड़ित युवती ने अशरफ अंसारी नामक शख्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। जिसके मुताबिक पीड़ित युवती और अशरफ अंसारी कार्यस्थल पर एक-दूसरे के संपर्क में आए थे। जिसके बाद दोनों काफी समय तक फोन के जरिए संपर्क में रहे और एक-दूसरे को प्यार करने लगे। उस दौरान आरोपी अशरफ ने युवती को अहमदाबाद की अलग अलग होटलों में ले गया, जहां उसे शादी की लालच देकर अनेकों बार दुष्कर्म किया। जिससे युवती गर्भवती हो गई। गर्भवती होने पर युवती ने जब अशरफ से शादी की। लेकिन अशरफ ने युवती के साथ शादी करने से इंकार कर दिया। युवती की शिकायत के आधार पर दाणीलीमडा पुलिस ने आरोपी अशरफ अंसारी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला है कि युवती 5 महीने की गर्भवती है।

कक्षा 10 का विद्यार्थी 12वीं कक्षा की छात्रा को भगा ले गया, राजकोट पुलिस ने पोरबंदर से पकड़ा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जो उन माता-पिता के लिए चेतावनी है जो अपने बच्चों को लेकर लापरवाह रहते हैं। राजकोट में कक्षा 10 का एक छात्र 12वीं कक्षा की छात्रा को भगा ले गया। राजकोट से भागने के बाद अहमदाबाद फिर सूरत जहां से वापस अहमदाबाद आए। अहमदाबाद से देवभूमि द्वारका पहुंचे और उसके बाद पोरबंदर पहुंच गए। पुलिस लोकेशन के आधार पर छात्र-छात्राओं को पोरबंदर से पकड़कर राजकोट ले आई है और आगे की कार्यवाही कर रही है। जानकारी के मुताबिक राजकोट के गोंडल रोड क्षेत्र में रहनेवाली कक्षा 12 की छात्रा को उसके घर के निकट रहनेवाले 10वीं कक्षा के छात्र से प्यार हो गया। नाबालिग प्रेमी युगल ने घर से भाग जाने की योजना बनाई। इसके अंतर्गत 5 जुलाई को स्कूल से छूटने के बाद दोनों भाग निकले। दूसरी ओर बेटी के घर नहीं लौटने पर अभिभावक स्कूल पहुंच गए। जहां पता चला कि बेटी तो कब से चली गई है। बेटी का कोई अता पता नहीं मिलने पर परेशान-माता पिता ने भक्तिनगर पुलिस थाने में बेटी के अपहरण की शिकायत दर्ज करवा दी। दरअसल तीन महीने पहले अभिभावक ने अपने बेटी को उसके प्रेमी के साथ मोबाइल पर बात करते हुए सुन लिया था। जिससे उन्हें आशंका थी कि बेटी का प्रेमी ही उसे भगा ले गया है। राजकोट पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी। लोकेशन से पता चला कि छात्र-छात्रा पोरबंदर में है। पुलिस तुरंत पोरबंदर रवाना हो गई और दोनों को वहां से पकड़कर राजकोट ले आई। राजकोट लाने के बाद पुलिस ने विद्यार्थी से पूछताछ शुरू कर दी। विद्यार्थी ने बताया कि वह छात्रा के साथ भाग कर प्राइवेट लक्जरी बस में अहमदाबाद पहुंचा। जहां से सूरत और बाद में वापस अहमदाबाद लौट आया। बाद में अहमदाबाद से देवभूमि द्वारका और आखिर में पोरबंदर आया था। नाबालिग विद्यार्थी ने बताया कि उसके पास रु 35000 थे, जिससे वह यात्रा और खाने-पीने पर खर्च करता था। छात्रा के पास कोई आईडी प्रूफ नहीं होने की वजह से किसी होटल में दोनों को प्रवेश नहीं मिला। इसलिए किसी शहर में रात नहीं रुकते थे। रात्रि को स्लीपर कोच में यात्रा कर दूसरे शहर चले जाते थे। विद्यार्थी ने यह भी बताया कि स्लीपर कोच में यात्रा के दौरान उसने छात्रा के साथ पांच दफा शारीरिक संबंध बनाए थे। विद्यार्थी के बयान के आधार पुलिस ने उसके खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो समेत अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है।

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे
या बताएँ और समस्याएं का
हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141480
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com